epaper.dehatsandesh.com

3 पुलिस पुंछ ने चोरी हुए मोबाइल फोन सफलतापूर्वक बरामद
5 सूर्यवंशी यशस्वी की तूफानी पारी आरआर ने एमआई को 27 रन से हराया
8 इसबगोल- मनुष्य ही नहीं बल्कि जानवरों के लिए भी फायदेमंद

मौसम जम्मू न्यूनतम 18 अधिकतम 25

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

# देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-86 | जम्मू तवी, वीरवार 09 अप्रैल, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8




# प्रधानमंत्री ने कैबिनेट के फैसलों को बताया किसान, ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए बड़ा कदम

**नई दिल्ली, 08 अप्रैल ।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कैबिनेट के फैसलों को देश के किसानों, स्वच्छ ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इन निर्णयों की जानकारी साझा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद किसानों का हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी दिशा में वर्ष 2026 के खरीफ सीजन के लिए न्यूट्रिएंट बेस्ड सब्सिडी (एनबीएस) में बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है, जिससे किसानों को किफायती दरों पर उर्वरक उपलब्ध होते रहेंगे। स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में एक और बड़े कदम का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि अरुणाचल प्रदेश में कमला हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई है। इससे देश के क्लीन एनर्जी इकोसिस्टम को मजबूती मिलेगी और राज्य में बिजली, इंफ्रास्ट्रक्चर तथा सामुदायिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही, कालई-II हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट को भी स्वीकृति दी गई है, जो पूर्वोत्तर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को सुदृढ़ करेगा, टिकाऊ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाएगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार व विकास के अवसर पैदा करेगा। प्रधानमंत्री ने जयपुर मेट्रो फेज-2 परियोजना को भी शहर के लिए बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चरल अपग्रेड बताया।

उन्होंने कहा कि इससे कनेक्टिविटी का विस्तार होगा, ट्रैफिक जाम में कमी आएगी और लोगों के जीवन को अधिक सुगम बनाया जा सकेगा। प्रधानमंत्री के अनुसार, ये सभी फैसले देश के समग्र विकास, टिकाऊ ऊर्जा और बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आज केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 1.74 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कुल लागत वाली कई बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी। इनमें खरीफ 2026 (अप्रैल-सितंबर) के लिए पोषक तत्व-आधारित सब्सिडी (एनबीएस) दरें, जयपुर मेट्रो चरण-2 परियोजना और एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी के लिए संशोधित लागत शामिल हैं।

## खरीफ फसलों के लिए पीएंडके उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी को मंजूरी

**नई दिल्ली, 08 अप्रैल ।** केंद्र सरकार ने देश में इस साल की खरीफ की फसल (एक अप्रैल से 30 सितंबर) के लिए फॉस्फेटिक और पोटाशिक (पीएंडके) उर्वरकों पर पोषक तत्व आधारित सब्सिडी (एनबीएस) को मंजूरी दे दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में उर्वरक विभाग के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। इस साल की खरीफ फसलों के लिए अनुमानित बजट लगभग 41,533.81 करोड़ रुपये है, जो पिछले साल की खरीफ की फसलों की तुलना में करीब 4,317 करोड़ रुपये अधिक है। पिछले वर्ष खरीफ 2025 के लिए बजट 37,216.15 करोड़ रुपये था।

केंद्र ने कहा कि इस निर्णय से किसानों को डीएपी और एनपीकेएस ग्रेड सहित %पीएंडके% उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी और उन्हें सब्सिडी दरों पर किफायती मूल्य पर उर्वरक मिलेंगे।

# अमेरिका-ईरान दो हफ्ते के संघर्ष विराम पर सहमत, इजराइल भी राजी, होर्मुज में शांति की आहट, इस्लामाबाद वार्ता की तैयारी

**वाशिंगटन/तेल अवीव/लेबनान/इस्लामाबाद, 08 अप्रैल ।** अमेरिका और ईरान दो सप्ताह के संघर्ष विराम पर सहमत हो गए हैं। ईरान के 10 सूत्री प्रस्ताव पर यह समझौता राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की समयसीमा से दो घंटे से भी कम समय पहले हुआ। ट्रंप ने मंगलवार की समय सीमा तय करते हुए तेहरान से होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने या फिर समूची सभ्यता को मिटा दिए जाने का सामना करने की चेतावनी दी थी। मंगलवार देर रात ट्रंप की सहमत होने की घोषणा उनकी असाधारण चेतावनी से एकदम उलट रही। यह घोषणा पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के मध्यस्थता प्रयासों के बाद सामने आई।

गल्फ न्यूज, अल जजीरा, तसनीम, सीबीएस न्यूज और सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने पुष्टि की है कि अगले दो हफ्तों तक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति ईरानी सेना के प्रबंधन में दी जाएगी। अराकची ने बुधवार तड़के अपने एक्स हैंडल पर ईरान के सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की ओर से युद्ध में प्रस्तावित युद्ध विराम के बारे में बयान जारी किया। इसमें कहा गया है कि अमेरिका के 15 और ईरान के 10 सूत्री प्रस्ताव के बाद शांति का यह अवसर मिला है। बयान में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और सैन्य प्रमुख का आभार जताया गया है। इसमें कहा गया है कि दो सप्ताह की अवधि के लिए ईरान के सशस्त्र बलों के साथ समन्वय और तकनीकी सीमाओं का ध्यान रखते हुए होर्मुज़ जलडमरूमध्य से सुरक्षित मार्ग संभव होगा। उल्लेखनीय है कि अमेरिका-इजराइल के 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ शुरू किए गए सैन्य अभियान में अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई, कई वरिष्ठ सैन्य कमांडरों की मौत हो गई थी। इसके बाद छिड़ा युद्ध खाड़ी देशों तक फैल गया। होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान ने कड़ा पहरा बैठा दिया। जहाजों के आवागमन पर रोक लगा दिया। इससे सारी दुनिया में तेल और गैस का संकट पैदा हो गया।

## भारत ने अपने नागरिकों से ईरान छोड़ने की अपील की

**दुबई, 8 अप्रैल।** भारत ने बुधवार को ईरान में रह रहे अपने नागरिकों को हालिया घटनाक्रम के मद्देनज़र शीघ्रता से देश छोड़ने की सलाह दी है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने जारी एक एडवाइजरी में यह भी दोहराया कि बिना दूतावास से पूर्व परामर्श और समन्वय के किसी भी अंतरराष्ट्रीय जमीनी सीमा की ओर जाने का प्रयास न करें। भारतीय मिशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक पोस्ट में कहा, 7 अप्रैल 2026 की एडवाइजरी के क्रम में और हालिया घटनाओं को देखते हुए, ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों को दूतावास के समन्वय में और सुझाए गए मार्गों का उपयोग करते हुए शीघ्रता से देश छोड़ने की कड़ी सलाह दी जाती है।

दूतावास ने आपातकालीन संपर्क नंबर (+989128109115; +989128109102; +989128109109, +989932179359) और ईमेल ([cons.tehran@mea.gov.in](mailto:cons.tehran@mea.gov.in)) भी जारी किए हैं, ताकि जरूरतमंद नागरिक सहायता प्राप्त कर सकें।

# 5 लश्कर-ए-तैयबा के ऑपरेटिव्स को 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया

**श्रीनगर, 8 अप्रैल।** श्रीनगर की एक स्थानीय अदालत ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन Lashkar-e-Taiba (LeT) से जुड़े पांच ऑपरेटिव्स—दो पाकिस्तानी नागरिकों और उनके तीन स्थानीय सहयोगियों—को 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। इन पांचों की गिरफ्तारी एक गहराई तक फैले अंतरराज्यीय LeT मॉड्यूल के भंडाफोड़ के बाद हुई, जिसका नेतृत्व पाकिस्तानी आतंकी अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा कर रहा था। वह पिछले 16 वर्षों से फरार था और जम्मू-कश्मीर के बाहर भी अपने ठिकाने बना चुका था। अब्दुल्ला के साथ एक अन्य पाकिस्तानी आतंकी उस्मान उर्फ खुबैब तथा श्रीनगर के तीन निवासी—मोहम्मद नकीब भट, आदिल राशिद भट और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा—को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। सभी को बुधवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, जांच के दौरान कई संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है और नेटवर्क से जुड़े अन्य सहयोगियों, फाइनेंसरों, सुरक्षित ठिकानों और अंतरराज्यीय कनेक्शन की पहचान की जा रही है। यह बड़ी कार्रवाई छह महीने पहले हरियाणा के फरीदाबाद स्थित Al Falah University से जुड़े एक व्हाइट कॉलर आतंकी मॉड्यूल के भंडाफोड़ के बाद सामने आई है, जिसका संबंध 10 नवंबर 2025 को हुए Red Fort blast November 2025 से था।

## बनिहाल के पास भूस्खलन के बाद जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग फिर बंद

**बनिहाल, 08 अप्रैल ।** जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग एक बार फिर बंद कर दिया गया है क्योंकि मध्यरात्रि के दौरान बनिहाल के शालगाड़ी के पास भीषण भूस्खलन हुआ जिससे यातायात बाधित हो गया।

यातायात अधिकारियों ने बताया कि रामबन जिले में लगातार भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के बाद राजमार्ग के दोनों ओर यातायात रोक दिया गया है और वाहनों को सुरक्षित स्थानों पर रोक दिया गया है।

इस बीच खराब मौसम की स्थिति को देखते हुए रामबन जिला प्रशासन ने बुधवार को रामबन जिले के सभी सरकारी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है।

# मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सामाजिक परिवर्तन के लिए सामूहिक प्रयासों पर दिया जोर




**जम्मू, 08 अप्रैल।** मुख्यमंत्री Omar Abdullah ने आज कहा कि समाज की प्रमुख चुनौतियों का समाधान केवल सरकार के प्रयासों से नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी निभाने से ही संभव है।

वे यहां कन्वेंशन सेंटर में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय संभाग स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे।

छात्रों और अन्य हितधारकों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कुछ जिम्मेदारियां जैसे सड़क, पुल और अस्पताल बनाना सरकार के दायरे में आती हैं, जबकि पर्यावरण संरक्षण और सार्वजनिक संपत्तियों की देखभाल जैसे कार्यों में आम जनता की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि अक्सर लोग स्वच्छता जैसे मुद्दों पर पूरी जिम्मेदारी सरकार पर डाल देते हैं, जबकि एक स्वच्छ और बेहतर समाज के लिए हर नागरिक को अपने व्यवहार में बदलाव लाना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि समाज ऐसे अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाए, तो जम्मू-कश्मीर वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे आज लिए गए संकल्पों को अमल में लाएं और एक जिम्मेदार समाज के निर्माण में योगदान दें।मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे पर बोलते हुए ह्यद्गह्र-्ड्डस्रह्वद्यद्यड्ढ ने कहा कि यह अभी भी समाज में कलंक (स्टिग्मा) से जुड़ा हुआ है। उन्होंने लोगों से अपील की कि मानसिक समस्याओं से जूझ रहे लोगों के प्रति संवेदनशीलता और सहानुभूति दिखाएं।

नशा मुक्ति के विषय पर उन्होंने कहा कि इस समस्या से निपटना केवल सरकार के बस की बात नहीं है। इसके लिए नागरिक समाज, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक नेताओं और आम लोगों को मिलकर प्रयास करने होंगे।

## सेनाध्यक्ष ने लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर प्रचंड में उड़ान भरकर परखी लड़ाकू क्षमता

**नई दिल्ली, 08 अप्रैल ।** सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बुधवार को बेंगलुरु में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) का दौरा किया। उन्होंने लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर प्रचंड में उड़ान भरकर इसकी लड़ाकू क्षमता, फुर्ती और मिशन की तैयारी का अनुभव किया। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने एचएएल के हेलीकॉप्टर हैंगर के दौरे में चल रहे ऑपरेशन्स और क्षमताओं के बारे में जानकारी हासिल की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी फरवरी में जैसलमेर एयरफोर्स स्टेशन से प्रचंड में उड़ान भरी थी। चीन के खतरों को देखते हुए सेना ने असम के मिसामारी में प्रचंड को तैनात किया है। यहां से वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) महज 250 किमी. दूरी पर है। इसी तरह अरुणाचल प्रदेश में चार एलसीएच तैनात किये गए हैं, जो एलएसी के अग्रिम इलाकों को कवर कर रहे हैं। एचएएल से सेना को 05 और वायुसेना को 10 हेलीकॉप्टर मिल चुके हैं, जिनका इस्तेमाल दोनों सेनाएं कर रही हैं। भारतीय सेनाओं की भविष्य की जरूरतों के हिसाब से विशेष तौर पर तैयार किये गए यह हेलीकॉप्टर दुर्गम स्थानों और सघन पर्वतीय क्षेत्रों में भी कारगर हैं। इसे कई तरह के बड़े बम, बंदूकों और मिसाइलों से लैस किया जा सकता है। इसे खासतौर पर ऊंचे पहाड़ों लद्दाख, सियाचिन जैसे इलाकों के लिए डिजाइन किया गया है। सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आज एचएएल में निर्मित होने वाले लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर प्रचंड, एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर ध्रुव और लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर (एलयूएच) के हैंगर का भी दौरा किया और चल रहे ऑपरेशन्स और क्षमताओं के बारे में जानकारी हासिल की।

## गुलमर्ग और कुछ अन्य पहाड़ी इलाकों में हुआ ताजा हिमपात, घाटी के मैदानी इलाकों में बारिश

**श्रीनगर, 08 अप्रैल ।** कश्मीर के लोकप्रिय पर्यटन स्थल गुलमर्ग और कुछ अन्य पहाड़ी इलाकों में बुधवार को ताजा हिमपात हुआ है, जबकि घाटी के मैदानी इलाकों में बारिश हुई। मौसम विभाग ने 10 अप्रैल तक मौसम में अनियमितता जारी रहने का अनुमान जताया है।

उत्तरी कश्मीर के लोकप्रिय स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग, कुपवाडा और बांदीपोरा सहित घाटी के पहाड़ी इलाकों में आज ताजा हिमपात हुआ। श्रीनगर और घाटी के मैदानी इलाकों में बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार शाम तक पहाड़ी इलाकों में रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी जारी रहेगी, साथ ही कुछ स्थानों पर गरज, ओलावृष्टि और तेज हवाएं चलेंगी।

कश्मीर के कुछ स्थानों पर मध्यम से भारी बारिश हो सकती है, जबकि पहाड़ी इलाकों के कुछ क्षेत्रों में गुरुवार सुबह तक मध्यम बर्फबारी हो सकती है। गुरुवार और शुक्रवार को छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश/गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।मौसम विभाग ने बताया कि 11 से 16 अप्रैल तक मौसम आमतौर पर शुष्क रहेगा, लेकिन दोपहर और शाम के समय कुछ स्थानों पर हल्की बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने आगे कहा कि कुछ समय के लिए भारी बारिश से कुछ संवेदनशील स्थानों पर अचानक बाढ़/भूस्खलन और कुछ निचले इलाकों में जलभराव हो सकता है।

## उपराज्यपाल ने आतंकी संबंधों के चलते दो कर्मचारियों को बर्खास्त करने का दिया आदेश

**श्रीनगर, 8 अप्रैल।** उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकी संगठनों के साथ कथित संबंधों को लेकर जम्मू-कश्मीर सरकार के दो कर्मचारियों को बर्खास्त करने का आदेश दिया है।

सूत्रों ने बताया कि हटाए गए कर्मचारियों की पहचान शिक्षा विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी फरहत अली खांडे और ग्रामीण विकास विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी मोहम्मद शफी डार के रूप में की गई है। अधिकारियों ने कहा कि खांडे को हिजबुल मुजाहिदीन के लिए काम करते हुए पाया गया जबकि डार कथित तौर पर लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी सहयोगी के रूप में काम कर रहा था। सूत्रों ने कहा कि राज्य की सुरक्षा के लिए हानिकारक गतिविधियों में उनकी संलिप्तता का संकेत मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई।

# डिविजनल कमिश्नर ने जम्मू क्षेत्र में आवश्यक वस्तुओं के भंडार और आपूर्ति की समीक्षा की



**जम्मू, 8 अप्रैल।** डिविजनल कमिश्नर जम्मू Ramesh Kumar ने आज जम्मू संभाग के सभी जिलों में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता और भंडार की स्थिति की समीक्षा की।

बैठक में सभी जिलों के उपायुक्त और एसएसपी, लीगल मेट्रोलॉजी नियंत्रक जम्मू-कश्मीर, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के निदेशक, स्वास्थ्य सेवाओं के निदेशक, संयुक्त निदेशक सूचना जम्मू, विभिन्न विभागों के प्रमुख, तथा स्कूल शिक्षा, उद्योग एवं वाणिज्य, Shri Mata Vaishno Devi University (SMVDU), जनजातीय मामलों, क्लस्टर यूनिवर्सिटी, University of Jammu, SKUAST Jammu, कृषि विभाग, Indian Oil Corporation, Hindustan Petroleum, Bharat Petroleum (एलपीजी) सहित कई प्रमुख शैक्षणिक और चिकित्सा संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

डिविजनल कमिश्नर ने अधिकारियों से जिला-वार एलपीजी, पेट्रोल, डीजल, खाद्यान्न, अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों (जैसे मेडिकल कॉलेजों और छात्रावासों) में भोजन की उपलब्धता की विस्तृत जानकारी मांगी।

उन्होंने होटलों और उद्योगों को वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति, उर्वरक और यूरिया के भंडार की स्थिति तथा जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ की गई कार्रवाई की भी समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी रोकने और उपभोक्ताओं को उचित वितरण सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं।

# 200 यूनिट मुफ्त बिजली के लिए लाभार्थी परिवारों की पहचान शुरू

**जम्मू तवी, 8 अप्रैल।** जम्मू-कश्मीर सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को राहत देने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत अंत्योदय अन्न योजना श्रेणी के पात्र लाभार्थियों की पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी है, ताकि उन्हें 200 यूनिट मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जा सके।

इस पहल की प्रगति की समीक्षा मुख्य सचिव Atal Dulloo की अध्यक्षता में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में की गई। बैठक में बिजली क्षेत्र में सुधारों को तेज करने के साथ-साथ सामाजिक कल्याण, स्थिरता और दक्षता पर विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा Revamped Distribution Sector Scheme (RDSS) के कार्यान्वयन और PM Surya Ghar Muft Bijli Yojana के तहत रूफटॉप सोलर अपनाने की प्रगति की भी समीक्षा की गई। यह मुफ्त बिजली योजना केंद्र शासित प्रदेश के सभी जिलों में लगभग 2.22 लाख



Y परिवारों को लाभ पहुंचाने की उम्मीद है। पात्र लाभार्थियों की पहचान और उन्हें लाभ प्रदान करने की प्रक्रिया जिला प्रशासन के सहयोग से जारी है, जिसमें कई लाभार्थी दूरदराज क्षेत्रों में निवास करते हैं। इस अवसर पर ऊर्जा विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अश्वनी कुमार ने बताया कि जिला प्रशासन के साथ समन्वय में व्यापक फील्ड सत्यापन और डेटा वैलिडेशन किया जा रहा है, ताकि केवल वास्तविक लाभार्थियों को ही इस योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि राशन कार्ड और बिजली उपभोक्ता डेटा में असमानता, प्रवासन, बंद या अनुपलब्ध घरों और कुछ लाभार्थियों की अनिच्छा जैसी चुनौतियों का समाधान किया जा रहा है। दूरदराज और पहाड़ी क्षेत्रों के परिवारों को शामिल करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जहां बिखरी आबादी और लंबी बिजली आपूर्ति ला नों के कारण कार्यान्वयन में कठिनाइयां आती हैं। जम्मू पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक गुरपाल सिंह ने बताया कि जम्मू संभाग में अब तक 28,600 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 11,000 से अधिक इंस्टॉलेशन पूरे किए जा चुके हैं, जो लगभग 67 प्रतिशत प्रगति दर्शाता है।

# कैसे बनाएं अपने आपको क्रिएटिव...

हम सभी एक जुदा अंदाज में जीना चाहते हैं, लाइफ को क्रिएटिव बनाना चाहते हैं। मगर कैसे?

लाइफ को क्रिएटिव बनाने की इस इच्छा को पूरी करना चाहते हैं तो इसके लिए प्रयास भी आप ही को करना होगा। यह प्रयास कुछ अलग किस्म के होंगे, जैसे अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकल कर कुछ नया करने की कोशिश करें।

आपकी तरह सोचने वाले लोगों से मिले-जुलें और अपने आइडियाज शेयर करें। इन चीजों से धीरे-धीरे लाइफ में बदलाव आने लगेंगे।

### सीखें कुछ नया

लाइफ को क्रिएटिव बनाना चाहते हैं तो सबसे पहले यह बात समझ लें कि सीखने की कोई सीमा तय नहीं होती है। नई-नई चीजें सीखें। कुछ नया सोचें या फिर पुरानी चीजों को नए तरीकों से करने के बारे में सोचें। कुछ नया सोचने के लिए इमेजिनेशन होना जरूरी है। हर वक्त नया सोचने के प्रयास से इमेजिनेशन पावर बढ़ती है, जो क्रिएटिविटी के लिए बहुत जरूरी है।

नई चीजें सीखते हुए अकसर असफलता का डर होता है। इस डर को मन से निकाल दें। याद रखें, क्रिएटिव लोगों में यही खास बात होती है कि वो कभी भी असफलताओं से डरते नहीं हैं। कुछ नया सीखने का जज्बा इस डर से बड़ा होता है।

अब आपको कोई चीज क्यों रोके? तो फिर अब हर हफ्ते कम से कम एक नई चीज सीखने की कोशिश करें। छोटी-छोटी चीजों से शुरू करें जैसे कि कोई नई डिश बनाएं या फिर अपने कमरे को किसी नए तरीके से सजाएं।

### क्रिएटिव लोगों से जुड़ें

क्रिएटिव लोगों से मिलते-जुलते रहें, मिलने का समय न हो तो किसी भी अन्य तरीके से जुड़ें। इससे आपको प्रेरणा मिलेगी। इस तरह लोगों से जुड़ने पर आप अपने आइडियाज बेझिझक शेयर कर सकते हैं और नई बातें भी जान सकेंगे।

क्रिएटिव लोगों से जुड़ने का सबसे अच्छा तरीका है कि अपने शौक के अनुरूप कोई क्लब या ग्रुप जॉइन कर लें। इसके अलावा सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट्स पर आप अपना खुद का ग्रुप बनाकर लोगों को इनवाइट कर सकते हैं, डिसकशन्स कर सकते हैं।

इस तरह के ग्रुप्स एक बढ़िया सपोर्ट सिस्टम की तरह काम करते हैं। साथ ही आपकी लाइफ को क्रिएटिव बनाने में सहायक भी होते हैं।

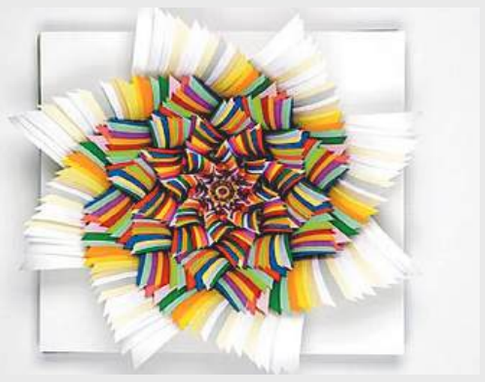

# तपती गर्मी में पाएं खिली-खिली ताजगी

गर्मी में अगर आप अगर बहुत थकान महसूस कर रहे हैं तो पानी के छींटों से आप फ्रेश महसूस करेंगे। सादा पानी भी आपकी त्वचा को तरोताजा रखता है। वह एक प्राकृतिक मॉइस्चराइज़र की तरह काम करता है। खीरे के जूस को आप चेहरे पर लगाएं तो इससे चेहरे पर ठंडक महसूस होगी तथा सनबर्न (धूप की जलन) की समस्या से बचे रहेंगे।

* ऑफिस से जब आप लौट कर आते हैं तब आप अपने पैर, हाथ, हल्के गुनगुने पानी में डाल कर रखें जिससे आपकी सारी थकान कम हो जाएगी। अगर आप चाहें तो इस पानी में थोड़ा सा नमक भी डाल सकते हैं। इससे पैर कोमल हो जाते हैं। आप सोफ्टनर से पैरो के तलवे को साफ कर सकते हैं। 10 से 15 मिनट तक अपने पैर को पानी में डालकर रखें इससे शरीर का रक्तसंचार भी बढ़ेगा।
* एक बोतल में आप थोड़ा सा कोलोन या परफ्यूम की थोड़ी सी बूंदों को लेकर अधिक मात्रा पानी के साथ उसे मिला दें, स्प्रे बोतल की तरह इसे इस्तेमाल कर आप रिफ्रेश हो सकते हैं।
* त्वचा के मुंहासों के लिए चन्दन तथा गुलाब के जल से पेस्ट बनाकर अपने चेहरे पर लगाएं। इस समस्या से आपको राहत मिल सकती हैं। रात भर इसे रखें तथा दूसरे दिन इसे धो लें।
* चेहरा केवल ऊपर से साफ नहीं होता हैं बल्कि इसे भीतर से भी साफ करना चाहिए। इसके लिए आप नींबू का रस तथा चीनी को मिलाकर अपने चेहरे पर धीरे-धीरे रगड़ें। इससे आपकी त्वचा भीतर से साफ हो जाएगी तथा चेहरे के झुलसे हुए दाग में भी आराम पड़ेगा।
* केले को लेकर आप इसे दूध के साथ मिलाकर अपने चेहरे पर लगाएं तो आपका चेहरा कोमल होगा और इस पर निखार आ जाएगा।
* हल्दी के साथ दूध को मिलाकर लगाएं तो आपकी झुलसी हुई त्वचा की समस्या हल होगी तथा फेशियल बाल कम हो सकते हैं।

# अपने बच्चे को पढ़ने के लिए प्रोत्साहन दीजिए

भले ही आज स्मार्ट फोन और टैबलेट की जनरेशन (पीढ़ी) अपने ज्ञान की क्षमताओं में एक कदम आगे है फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने बच्चे को शुरुआती सालों से ही पढ़ने के लिए प्रोत्साहित और तैयार करें। माता-पिता की बहुत-सी जिम्मेदारियां होती हैं जिसमें से एक है कि वे अपने बच्चे की पढ़ने के प्रति रुचि बढ़ाएं। कैसे आप पढ़ने में उनकी रुचि बढ़ा सकते हैं :-

उनकी पसंदीदा किताब लें - अगर आपके बच्चे का कोई पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर है तो उसे टीवी देखने देने की बजाय किताब गिफ्ट करें। किताबों की दुकानें बहुत से कार्टून किताबों से भरी हैं। ये समान रूप से आकर्षक हों, नए के साथ पिक्टोरियल हों तो ध्यान जोड़े रखती हैं।

उनके लिए पढ़ें - अगर आप अपने बच्चों के लिए फैरी टेल या कार्टून की किताबें लाई हैं तो आप उन्हें अपने बच्चों के लिए पढ़ें। हो सकता है शुरुआत में बच्चे रुचि न लें तो आप उसे खुद पढ़ना शुरू करें। इससे आपके बच्चों में जिज्ञासा बढ़ेगी कि किताब में ऐसा क्या है, जो आप इसे पढ़ रहे हैं और उसे प्रोत्साहित भी करेगा। इसके बाद आप बच्चों को इस प्रक्रिया में शामिल कर सकते हैं।

किताबों से सुनाएं - कहानियों को रोमांचक तरह से सुनाएं। जरूरी नहीं है कि कहानी जैसी लिखी है आपको वैसे ही सुनानी है। आप उसमें कुछ अपने बचपन की दिलचस्प बातें जोड़ सकती हैं या फिर कहानियों के किरदार की तुलना अपने बच्चों से कर सकती हैं। यह बच्चों को जोड़े रखता है।

पूरी प्रक्रिया का आनंद लें। यह न सोचें कि यह थकाऊ प्रक्रिया है। इससे आपका बच्चा रुचि खो सकता है। हमेशा चार्ज अप लगें।

# मां बनने के एक साल के अंदर घटाएं वजन

मां बनने के एक साल के अन्दर महिलाओं ने अगर अपने वजन पर नियंत्रण नहीं किया तो उन्हें हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप जैसी कई बीमारियां घेर सकती हैं।

ब्रिटिश दैनिक में प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया है कि कनाडा में टोरंटो के माउंट सिनाई अस्पताल के मधुमेह केंद्र ने अपने नए शोध में यह बताया है कि महिला के लिए मां बनने के बाद के पहले तीन महीने सुरक्षित होते हैं क्योंकि इस दौरान उनके शरीर में उतने बदलाव नहीं होते इसलिए हृदयरोग, मधुमेह या उच्च रक्तचाप का खतरा इस दौरान उतना अधिक नहीं रहता है।

शोध पत्रिका डायबिटीज केयर में प्रकाशित इस शोध के मुताबिक तीन महीने के बाद पूरे साल तक मां के शरीर में तरह-तरह के बदलाव होते हैं। इस दौरान उनके शरीर में उच्च रक्तचाप, कोलेस्ट्राल और इंसुलिन की सक्रियता काफी बढ़ जाती है और उनके हृदय संबंधी रोग से ग्रसित होने का खतरा काफी बढ़ जाता है।

शोध के दौरान 300 गर्भवती महिलाओं पर पूरे नौ महीने और बच्चे के जन्म के एक साल बाद तक निगरानी की गई और उनकी नियमित जांच की गई। जांच के दौरान पाया गया कि अगर बच्चे को जन्म देने के एक साल के अंदर मां ने अपने वजन को कम नहीं किया तो उसके मधुमेह से पीड़ित होने का खतरा बढ़ जाता है।

उन्होंने पाया कि बच्चे के जन्म के एक साल के अंदर तीन चौथाई मांओं ने अपने वजन पर काबू पा लिया और उनका कोलेस्ट्राल तथा रक्तचाप का स्तर सामान्य रहा, लेकिन जिन एक तिहाई महिलाओं का वजन इन दौरान बढ़ गया उनके मधुमेह और हृदय रोग से पीड़ित होने की संभावना भी काफी बढ़ गई। शोधकर्ता डॉक्टर रवि रत्नाकरन ने कहा कि इस शोध के कारण अब महिलाओं को बच्चे के जन्म के एक साल के अंदर वजन घटाने की सलाह दी जाती है।

# सिर्फ 15 दिनों में चेहरा खूबसूरत बनाएं जानिए कैसे

हम अपना चेहरा चमकाने के लिए ब्यूटी पार्लर के मोहताज होते हैं या फिर कुछ घरेलू उपचार का सहारा लेते हैं। यहां तक कि आधुनिक तकनीक से बोटोक्स की भी शरण में चले जाते हैं। यहां पेश है कुछ ऐसे उपाय जिसके लिए ना महंगी दवाई की जरूरत है ना ही फेसपैक और पार्लर के नखरों की।

प्रस्तुत है चेहरे के कुछ ऐसे व्यायाम जिन्हें आप आसानी से कहीं भी और कभी भी कर सकते हैं और बढ़ा सकते हैं अपने चेहरे की रौनक। इन्हें हम फेशियल योगा का नाम दे सकते हैं। प्रत्येक फेशियल योगा 8-10 से 20 बार प्रतिदिन 5 से 7 मिनट तक करें। इससे आपको 15 दिन में ही फर्क नजर आने लगेगा।

फेशियल योगा स्टेप्स

1 गर्दन सीधी रखकर आईब्रो ऊपर-नीचे करें।
2 भौहें सिकोड़ें, माथे पर आड़े व खड़े सल डालें।
3 गर्दन सीधी रखें व ऊपर-नीचे देखें।
4 आंखों को दोनों दिशा में गोल घुमाएं।
5 आंखों पर हथेली रगड़कर कुछ देर रखें।
6 सुबह व रात आंखों को ठंडे पानी से धोएं।
7 नथुने फुलाएं व ढीला छोड़ दें।
8 पूरा मुंह खोलें व बंद करें।
9 जबड़ा दाएं-बाएं हिलाएं।
10 होठों को सिकोडें व फैलाएं।
11 दांत दिखाएं व बंद करें।
12 मुंह से फुग्गा फुलाएं।
13 दांत पर दांत रखकर जमकर दबाएं।
14 गर्दन की चमड़ी को खीचें, जबड़ा टाइट करें।
15 दस तक गिनते हुए गर्दन को पीछे ले जाएं।
16 मुंह में पानी भरकर हिलाएं।

17 सोने के पहले प्रतिदिन चेहरे को साफ करें। यदि आप वर्किंग वूमन हैं तो डीप क्लीजिंग मिल्क से साफ करें।

व्यायाम के अतिरिक्त संतुलित खान-पान आपकी त्वचा में असली चमक लाता है। अत: भोजन में दूध, दही, सलाद, फल, हरी सब्जियां अवश्य लें। पर्याप्त पानी पिएं, सूर्य की तेज किरणों से बचें व धूप का चश्मा लगाएं।

# छह चीजों से चमकाएं बाल और त्वचा

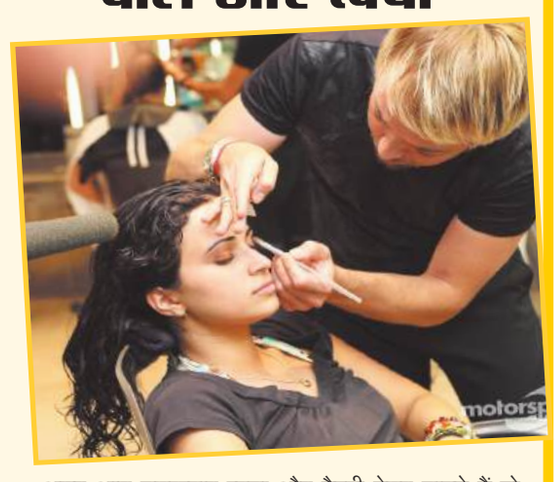

अगर आप चमकदार त्वचा और हैल्दी हेयर चाहते हैं तो अपनी फूड लिस्ट मे इन चीजों को शामिल कर सकते हैं। ये चीजें आपको खूबसूरती के साथ-साथ बढिया सेहत से भी नवाजेंगी।

विटामिन ए से भरपूर चीजें

क्या लें- गाजर, पालक, ब्रोकली, पपीता, आम, आलू व टमाटर

फायदा - इन चीजों में कैरोटीन होता है, जो सनस्क्रीन का काम करता है और त्वचा को धूप से बचाता है। टमाटर में लाइकोपीन भी सनस्क्रीन का काम करता है, लेकिन जरूरी है कि टमाटर अच्छे से पका हो।

सूखे मेवे

फायदा- इनमें ओमेगा थ्री फैटी एसिड होता है जो त्वचा में नमी बनाए रखता है। अखरोट में बायोटीन होता है जो बालों को बढ़ाता है, झड़ने और दो मुंहे होने से रोकता है।

विटामिन सी वाली चीजें

फायदा- नींबू, आंवले, संतरे का खट्टापन शरीर में जाकर कोलेजन बनाता है, जो त्वचा की कोशिकाओं को जवां रखता है, इससे झुर्रियां नहीं पड़तीं और त्वचा के घाव भी जल्दी भरते हैं। विटामिन-सी वाली चीजें आसानी से पच जाती हैं और अधिक मात्रा होने पर यूरिन के रास्ते निकल जाती हैं।

अलसी के बीज

फायदा- खाने को कुरकुरा बनाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर, ओमेगा थ्री फैटी एसिड व विटामिन ई से त्वचा की नमी बनी रहती है, मुंहासे नहीं होते। रोजाना एक चम्मच प्रयोग करें।

विटामिन बी और कॉपर

पुरूषों के बालों में सफेदी की शुरूआत दाढ़ी से होती है, जबकि महिलाओं में कनपटी की तरफ से। इसके प्रमुख कारण हैं- चिंता करना, विटामिन बी, आयरन, कॉपर और आयोडीन की कमी। इसके लिए धूम्रपान न करें, मटर, ब्रोकली, ब्राउन राइस, गांठ गोभी खाएं व ग्रीन टी पीएं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

# सकीना इटू ने श्रीनगर में संसदीय स्थायी समिति से किया संवाद, मजबूत शैक्षणिक ढांचे पर जोर

**श्रीनगर, 08 अप्रैल।** शिक्षा, सामाजिक कल्याण, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री Sakeena Itoo ने आज श्रीनगर में शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति के सदस्यों से मुलाकात की, जो जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान मंत्री ने जम्मू-कश्मीर में शिक्षा क्षेत्र की गुणवत्ता, पहुंच और समावेशिता बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि सरकार राष्ट्रीय शैक्षणिक प्राथमिकताओं और वैश्विक मानकों के अनुरूप एक मजबूत शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। Sakeena Itoo ने शैक्षणिक ढांचे को सुदृढ़ बनाने, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने, संकाय विकास कार्यक्रमों को मजबूत करने और स्कूलों, कॉलेजों तथा विश्वविद्यालयों में डिजिटल शिक्षण सुविधाओं के विस्तार जैसे प्रमुख सुधारों को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि स्कूलों और कॉलेज परिसरों के आधुनिकीकरण, उद्योग-उन्मुख पाठ्यक्रमों की शुरुआत और कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे छात्रों की रोजगार क्षमता में वृद्धि हो। मंत्री ने शिक्षा तक समान पहुंच के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि दूरदराज और वंचित क्षेत्रों के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं, बेहतर सुविधाओं और कनेक्टिविटी के माध्यम से विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

# 9 मोटरसाइकिल बरामद, 2 आरोपी गिरफ्तार

**कठुआ, 08 अप्रैल (हि.स.)।** एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के नेतृत्व में जिला कठुआ में वाहन चोरी के मामलों पर सख्ती दिखाते हुए कठुआ पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कुल 9 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं।

पुलिस के अनुसार बीते 03 अप्रैल 2026 को देविंदर कुमार निवासी छपाकी कलां तहसील हीरानगर ने थाना कठुआ में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी मोटरसाइकिल नंबर जेके08जी-3139, जो एके गुप्ता अस्पताल के पास खड़ी थी, अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर ली गई। इस संबंध में थाना कठुआ में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान थाना प्रभारी इआशीष शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार केसर और डीएसपी मुख्यालय रविंदर सिंह की निगरानी में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों द्वारका प्रसाद निवासी ढलोटी तहसील मढ़हीन और केशव शर्मा निवासी मीरपुर ढलोटी को गिरफ्तार किया।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने चोरी की वारदात में अपनी संलिप्तता कबूल की, जिसके बाद पुलिस ने चोरी की गई मोटरसाइकिल सहित कुल 9 मोटरसाइकिलें बरामद कर लीं। अन्य 8 मोटरसाइकिलों को भी चोरी का होने की आशंका में जब्त किया गया है। पुलिस अधीक्षक कठुआ के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के तहत चोरी के मामलों को सुलझाने के लिए लगातार प्रयास जारी हैं। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत 112 या 9858034100 पर दें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

# कठुआ में तीन दिवसीय जागरूकता अभियान शुरू, सामाजिक मुद्दों पर छात्रों को किया जागरूक

**कठुआ, 08 अप्रैल (हि.स.)।** जिले में छात्रों को सामाजिक व विकासात्मक मुद्दों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम का आयोजन निदेशालय स्कूल शिक्षा जम्मू के तत्वावधान में किया गया, जिसका उद्घाटन जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने वर्चुअल माध्यम से किया। जिला स्तर पर मुख्य कार्यक्रम गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज फॉर वुमन कठुआ में आयोजित हुआ, जिसमें उपायुक्त राजेश शर्मा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान विद्यार्थियों, शिक्षकों और अधिकारियों ने ट्रैफिक जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, मानसिक स्वास्थ्य और नशा मुक्ति जैसे विषयों पर सामूहिक शपथ ली। पहले दिन विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न विषयों पर जागरूकता सत्र आयोजित किए गए, जिनमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दूसरे दिन विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी, जबकि तीसरे दिन जागरूकता रैली निकाली जाएगी। कार्यक्रम का पहला दिन सकारात्मक माहौल के साथ संपन्न हुआ।

# एनएलयू की मांग को लेकर भाजयुमो का प्रदर्शन, सरकार पर अनदेखी का आरोप

**उधमपुर, 08 अप्रैल (हि.स.)।** जम्मू क्षेत्र में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की स्थापना की मांग को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा ने उधमपुर में जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन डब्बड़ चैक से जिला उपायुक्त कार्यालय तक निकाली गई रैली के रूप में आयोजित किया गया, जिसका नेतृत्व भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष अरुण प्रभात ने किया। इस दौरान अरुण प्रभात ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पर निशाना साधते हुए कहा कि जम्मू क्षेत्र में एनएलयू की स्थापना की जायज मांग को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार लगातार जम्मू के युवाओं की आकांक्षाओं की अनदेखी कर रही है। जिला अध्यक्ष विशाल सिंह ठाकुर ने भी सरकार पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि छस्न् की स्थापना जम्मू में होना आवश्यक है और इसके लिए युवा लगातार संघर्ष करते रहेंगे। प्रदर्शन में भाजुमो के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिन्होंने सरकार से जल्द मांग पूरी करने की अपील की।

# मानसून से पहले सतर्कता जरूरी-जसरोटिया ने सरकार से ठोस तैयारी की मांग की

**कठुआ, 08 अप्रैल (हि.स.)।** जसरोटा से भाजपा विधायक राजीव जसरोटिया ने आगामी मानसून को लेकर जम्मू-कश्मीर सरकार से समय रहते पुख्ता तैयारियां करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हर साल भारी बारिश के दौरान भूस्खलन, बाढ़, जलभराव और सड़क अवरुद्ध होने जैसी घटनाओं से जान-माल का नुकसान होता है, जिसे बेहतर योजना और समय पर कार्रवाई से रोका जा सकता है। जसरोटिया ने जिला व ब्लॉक स्तर पर आकस्मिकता प्लान तैयार करने, संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने और राहत व बचाव उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने पीडब्लूडी, बीआरओ, आपदा प्रबंधन व स्वास्थ्य विभागों के बीच बेहतर समन्वय की भी आवश्यकता बताई।

# अवैध खनन मे लिप्त तीन ट्रैक्टर जब्त, एफआईआर दर्ज

**पुलवामा, 08 अप्रैल (हि.स.)।** पुलवामा जिला पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ अपने निरंतर अभियान को जारी रखते हुए रात्रि गश्त के दौरान निर्णायक कार्रवाई की और चांदपोरा क्रॉसिंग पर उल्लंघनकर्ताओं को गिरफ्तार किया।

राजपोरा पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने चांदपोरा क्रॉसिंग पर तीन ट्रैक्टरों को रोका। जांच के दौरान वाहनों में अवैध रूप से निकाले गए बजरी और पत्थरों सहित बेड मटेरियल बिना वैध दस्तावेजों के लदे हुए पाए गए। तीनों ट्रैक्टरों को मौके पर ही जब्त कर लिया गया। तदनुसार राजपोरा पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 303(2) और पीपीडी अधिनियम की धारा 3 के तहत एफआईआर संख्या 50/2026 दर्ज की गई है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलवामा पुलिस अवैध खनन पर अंकुश लगाने और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। जनता का सहयोग महत्वपूर्ण है। नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे ऐसी गतिविधियों की सूचना निकटतम पुलिस स्टेशन को दें।

# कांग्रेस ने किसानों के नुकसान का मुद्दा पत्रकार वार्ता में उठाया

**जम्मू, 08 अप्रैल (हि.स.)।** जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस ने पत्रकार वार्ता के दौरान किसानों के भारी नुकसान का मुद्दा जोर-शोर से उठाया। पार्टी नेताओं ने कहा कि हाल ही में हुई बारिश और ओलावृष्टि से जम्मू और कश्मीर के विभिन्न क्षेत्रों में किसानों की फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है।

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्राकृतिक आपदा के बावजूद सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस राहत कदम सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि किसानों की आजीविका पूरी तरह खेती पर निर्भर होती है और ऐसे में फसलों के नुकसान से उनका जीवन संकट में आ जाता है। पार्टी नेताओं ने सरकार से मांग की कि सभी जिलों के उपायुक्तों (डीसी ) को तुरंत निर्देश दिए जाएं कि वे नुकसान का सही आकलन करें और प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि जल्द राहत नहीं दी गई तो किसानों की समस्याएं और बढ़ जाएंगी, इसलिए सरकार को इस मुद्दे पर गंभीरता दिखानी चाहिए।

# अमेरिका-ईरान युद्धविराम की घोषणा के बाद पूरे कश्मीर में जश्न का माहौल

**श्रीनगर, 08 अप्रैल (हि.स.)।** अमेरिका-ईरान युद्धविराम की घोषणा के बाद कश्मीर में विभिन्न स्थानों पर जश्न मनाया गया और लोगों ने इसे इस्लामिक गणराज्य के लिए जीत बताया। विशेषकर घाटी के शिया बहुल इलाकों में सैकड़ों लोग संघर्षविराम का जश्न मनाने के लिए सड़कों पर एकत्र हुए।

शहर के सैदाकदल और जदीबल इलाकों के साथ-साथ घाटी के बडगाम, बारामूला, गांदरबल, पुलवामा और बांदीपोरा जिलों में जश्न मनाया गया।

ईरानी झंडे लहराते हुए लोगों ने युद्धविराम की घोषणा पर खुशी व्यक्त की और जश्न मनाने के लिए पटाखे फोड़े। उन्होंने उत्सव के हिस्से के रूप में कश्मीरी केहवा भी वितरित किया। लोगों ने युद्धविराम को अमेरिका और इज़राइल पर ईरान की 卐जीत卐 बताया।

इससे पहले ईरान के साथ एकजुटता दिखाने के लिए कश्मीर में बड़े पैमाने पर धन उगाही की गई थी। घाटी के लोगों ने ईरान के लोगों की मदद के लिए धन और अन्य कीमती सामान दान किया। कश्मीर और ईरान के बीच गहरे सांस्कृतिक, भाषाई और धार्मिक संबंध हैं। कश्मीर को अक्सर ईरान-ए-सग़ीर (छोटा ईरान) कहा जाता है।

# कठुआ में एचपीवी टीकाकरण अभियान तेज, बेटियों की सुरक्षा के लिए आगे आएं अभिभावक :डॉ. वासना शर्मा

**कठुआ, 08 अप्रैल (हि.स.)।** जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ वासना शर्मा ने जिले में 14 वर्ष से अधिक आयु की बालिकाओं के लिए चलाए जा रहे एचपीवी टीकाकरण अभियान को सफल बनाने हेतु अभिभावकों, शिक्षकों और समाज के सभी वर्गों से सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर से बचाव का सुरक्षित और प्रभावी माध्यम है। सभी अभिभावक सुनिश्चित करें कि पात्र बालिकाएं स्वास्थ्य संस्थानों या स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित आउटरीच सत्रों में निःशुल्क टीका जरूर लगवाएं। डॉ. शर्मा ने सामूहिक प्रयास पर जोर देते हुए कहा कि बेटियों के बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य के लिए सभी को मिलकर आगे आना होगा। आज सुरक्षा, कल स्वस्थ भविष्य के संदेश के साथ उन्होंने अभियान को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की।

# पुलिस पुंछ ने चोरी हुए मोबाइल फोन सफलतापूर्वक बरामद किए

**पुंछ, 08 अप्रैल (हि.स.)।** एक सराहनीय पहल के तहत जिला पुलिस पुंछ ने जनता की शिकायतों को दूर करने और साइबर पुलिसिंग को बेहतर बनाने के अपने लगातार प्रयासों के तहत, 50 लापता और चोरी हुए मोबाइल फोन सफलतापूर्वक बरामद किए हैं। इन फ़ोन को एसएस पी पुंछ शफकत हुसैन जेकेपी एस ने उनके असली मालिकों को सौंप दिया है। बरामद किए गए मोबाइल फोन की कुल कीमत 8 लाख से ज्यादा होने का अनुमान है। ये बरामदगी साइबर पुलिस स्टेशन पुंछ ने नागरिकों से खोए या चोरी हुए मोबाइल उपकरणों के बारे में मिली शिकायतों पर लगातार तकनीकी जांच के बाद की। उन्नत ट्रैकिंग तंत्र, तकनीकी निगरानी और सेवा प्रदाताओं के साथ समन्वित प्रयासों का लाभ उठाकर टीम अलग-अलग जगहों से लापता उपकरणों का पता लगाने और उन्हें बरामद करने में सफल रही है।

# बिश्नाह पुलिस ने 300 ग्राम चिट्टा के साथ तस्कर को पकड़ा

**जम्मू, 08 अप्रैल (हि.स.)।** जम्मू के बिश्नाह क्षेत्र में पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस थाना बिश्नाह की टीम नियमित गश्त के दौरान बिश्नाह-कुंजवानी लिंक रोड अंडरपास (रिंग रोड फ्लाईओवर के नीचे) पर मौजूद थी, तभी एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया।

यह व्यक्ति मीरां साहिब की ओर से बिश्नाह की तरफ आ रहा था। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से करीब 280 से 300 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ, जिसे आमतौर पर चिट्टा कहा जाता है, बरामद किया गया।

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जिले में नशा तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बिश्नाह पुलिस ने दोहराया कि समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं और लोगों से भी सहयोग की अपील की गई है।

# जेएमसी वैसाखी पर तीन दिवसीय तवी महोत्सव आयोजित करेगा

**जम्मू, 08 अप्रैल (हि.स.)।** जम्मू नगर निगम (जेएमसी) इस बार वैसाखी के अवसर पर तीन दिवसीय तवी महोत्सव का आयोजन करने जा रहा है।

यह महोत्सव जम्मू शहर में सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और स्थानीय कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार इस महोत्सव के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोक नृत्य, संगीत प्रस्तुतियां और पारंपरिक व्यंजन प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान करना और लोगों को जम्मू की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान से जोड़ना है।

तवी महोत्सव के जरिए शहर में पर्यटन को बढ़ावा देने और वैसाखी के त्योहार को धूमधाम से मनाने की योजना है। अधिकारियों का कहना है कि इस आयोजन में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों और पर्यटकों के शामिल होने की संभावना है।

# 'क्रोशे स्टिच टू सोल्ड' कार्यशाला, छात्रों को स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित

**कठुआ, 08 अप्रैल (हि.स.)।** गवर्नमेंट जीएलडीएम डिग्री कॉलेज हीरानगर में इंस्टीट्यूशनल इनोवेशन काउंसिल और उन्नत भारत अभियान के तहत एक दिवसीय कार्यशाला 卐क्रोशे फॉम स्टिच टू सोल्ड卐 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में रचनात्मकता, कौशल विकास और उद्यमिता को बढ़ावा देना रहा। कार्यशाला में भूगोल विभाग की प्राध्यापिका डॉ. सुमिता शर्मा ने बतौर रिसोर्स पर्सन क्रोशे तकनीकों, प्रोडक्ट डिजाइनिंग और मार्केटिंग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विभिन्न स्टिचिंग तकनीकों का प्रदर्शन किया और तैयार उत्पाद भी दिखाए, जिससे छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान मिला। मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. प्रज्ञा खन्ना ने छात्रों को रचनात्मक गतिविधियों को पेशे में बदलने के लिए प्रेरित किया और ऐसे कौशल आधारित कार्यक्रमों की सराहना की। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईआईसी की अध्यक्ष डॉ. अनुपमा अरोड़ा ने की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और क्रोशे के जरिए स्वरोजगार के अवसरों की जानकारी हासिल की।

# गुरु नाभा दास महाराज का प्रकाश उत्सव श्रद्धा व भक्ति के साथ मनाया

**कठुआ, 08 अप्रैल (हि.स.)।** कठुआ में गोस्वामी गुरु नाभा दास जी महाराज का प्रकाश उत्सव धार्मिक श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विधायक डॉ. भारत भूषण मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत हवन-यज्ञ से हुई, जिसके बाद कीर्तन मंडली ने भजन प्रस्तुत किए। इस दौरान गुरु जी को पुष्पांजलि अर्पित की गई और उनके उपदेशों पर प्रकाश डाला गया। डॉ. भारत भूषण ने अपने संबोधन में श्रद्धालुओं से गुरु जी के दिखाए मार्ग भाईचारे, प्रेम और सद्भावकृपर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में संतों की शिक्षाएं और भी अधिक प्रासंगिक हैं। इस मौके पर कई गणमान्य लोग और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में भक्तों के लिए भंडारे का आयोजन भी किया गया।


## OFFICE OF THE EXECUTIVE Engineer PWD (R&B) DIVISION Kathua
## Fresh NOTICE INVITING TENDER

**e-NITNo:02/2026-27/232-36/G** **Dated: 07.04.2026**

For and on behalf of the Lt. Governor, Union Territory of Jammu & Kashmir e-tenders are invited from reputed Architectural/structural consultants duly approved/ registered with Indian Council of Architectfor providingArchitectural/structural Engineering consultancy services in respectof below noted work: -

| S.No | Nameof Work | Costof T/Doc. | Earnest Moneyin shape of CDR/FDR /BG | Time Allowed for completio n | Time & Date of Openingof tender (Technical Bid) | Eligibility |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1. | Empanelment of Consultants for Architecturaland structuraldesign for Various, Bridgesunder R&B Division Kathua fortheyear 2026-27. | 1000/- | 20,000/- | Stage contract (current financial year) | 18/04/2026 (1300hours) | Architectduly approved/registered withIndiancouncilof Architect |

NOTE:Architect/Consultant duly approved/ registered with Indian Council of Architect.Architectural /structural Engineer shall visit the site regularly during the construction of the, bridge

The Bidding documents consisting of qualifying information, eligibility criteria, specifications, bill of quantities (B.O.Q), Set of terms and conditions of contract and other details can be seen/downloaded from the departmentalwebsitewww.jktenders.gov.in as per below schedule:-

| | |
|---|---|
| 1. Date of Issue of Tender Notice | 7-04-2026 |
| 2. Period of downloading of bidding documents | From07-04-2026,to17-04-2026 up to1600 Hrs. |
| 3. Pre-bid meeting date and place | On13-04-2026at1200 Noon in the office of the Executive Engineer PWD (R&B) Division Kathua |
| 3.Bid Submission Start Date | From 07-04-2026at1800Hrs |
| .4. Bid Submission End Date | On17-04-2026upto1600Hrs. |
| 5 Date & time of opening of Technical Bids (Online) | On18-04-2026at1300Hrs |
| 6 Date & time of opening of Financial Bids (Online) | To be notified after technical bid evaluation is completed. |

**ConsultancyCharges:**
The consultancy charges for Architectural/Engineering services shall be calculated on the basisof the rates adopted in the DPR/Abstract of Cost, based on the prevailing CPWD Plinth AreaRates or other applicable norms for the respective project. Thereafter, the consultancy chargesshall be worked out after incorporating the below percentage quoted by the contractor. However, the consultancy charges shall be considered only for those components of the projectfor which drawings, designs and consultancy services are required, such as Civil and Electricalworks. The cost of items not requiring consultancy services shall be excluded for the purpose ofcalculating the consultancy charges.

No:02NIT/2026-27/232-36/G Dated:07.04.2026

**DIP/J-320/26**
**Dtd: 8-4-2026**

**-Sd-**
**Executive Engineer**
**PWD (R&B)Division**
**Kathua**

# संपादकीय

## सीज़फायर में कूटनीति की अहम भूमिका

अमेरिकी राष्ट्रपति Donald Trump द्वारा ईरान में विनाशकारी कार्रवाई की समयसीमा से महज़ 90 मिनट पहले घोषित दो सप्ताह का युद्धविराम एक अत्यंत सकारात्मक कदम है। यह घोषणा न केवल अमेरिका और ईरान के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि पूरे विश्व के लिए भी राहत भरी है। ईरान ने स्पष्ट किया है कि अगले दो हफ्तों तक Strait of Hormuz से जहाज़ों का आवागमन संभव रहेगा, जो उसकी सैन्य निगरानी में होगा।

यह वह समय है जब भारत को अपनी कूटनीति का भरपूर उपयोग करते हुए होर्मुज़ जलडमरूमध्य में फंसे ईंधन से लदे जहाज़ों को सुरक्षित वापस लाने की दिशा में सक्रिय कदम उठाने चाहिए, ताकि देश में पेट्रोल, डीज़ल और गैस की आपूर्ति पर दबाव कम हो सके। यह उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने यह नाटकीय घोषणा मंगलवार शाम (अमेरिकी समयानुसार) अपने Truth Social अकाउंट पर की।

रिपोर्टों के अनुसार, ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने इस दो सप्ताह के युद्धविराम को स्वीकार कर लिया है और यह भी संकेत दिया है कि वह अमेरिका के साथ इस शुक्रवार से इस्लामाबाद में बातचीत करेगा। संभावना है कि दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को इस्लामाबाद पहुंचकर एक स्थायी समझौते की दिशा में वार्ता शुरू करेंगे।

इस पूरे घटनाक्रम का एक और सकारात्मक पहलू यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने पुष्टि की है कि उन्हें ईरान की ओर से 10 बिंदुओं का प्रस्ताव मिला है, जिसे उन्होंने व्यवहारिक बताया है और जो एक समझौते का आधार बन सकता है। ट्रंप के अनुसार, अमेरिका अपने सभी सैन्य उद्देश्यों को पूरा कर चुका है और अब ईरान के साथ दीर्घकालिक शांति तथा मध्य-पूर्व में स्थिरता के लिए एक निर्णायक समझौते के करीब है।

यह सभी के हित में है कि पश्चिम एशिया का यह संघर्ष समाप्त हो, क्योंकि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं होता—संवाद ही एकमात्र रास्ता है। यह सकारात्मक संकेत है कि शुक्रवार से दोनों पक्ष मध्यस्थों के साथ वार्ता की मेज पर बैठेंगे। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर ईरान के विदेश मंत्री Syed Abbas Araghchi का बयान भी साझा किया, जिसमें उन्होंने युद्धविराम की पुष्टि की।

ईरानी नेतृत्व ने कहा है कि यदि उनके खिलाफ हमले बंद होते हैं, तो उनकी सशस्त्र सेनाएं भी अपनी रक्षात्मक कार्रवाई रोक देंगी। यह निश्चित रूप से एक सकारात्मक विकास है, जो वैश्विक स्तर पर ईंधन संकट को कम करने में मदद करेगा और उन देशों को राहत देगा जो पश्चिम एशिया से ऊर्जा आपूर्ति पर निर्भर हैं।

इसके अलावा, भारत को इस अवसर का उपयोग करते हुए अपनी दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना चाहिए। उसे पारंपरिक और नए ऊर्जा आपूर्तिकर्ताओं के साथ सक्रिय संवाद बढ़ाना चाहिए। रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार को भरना और सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों को अनुकूल समझौते करने के लिए प्रोत्साहित करना आवश्यक है।

साथ ही, भारत की कूटनीतिक पहल को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शिपिंग बीमा लागत और माल ढुलाई में आने वाली बाधाएं कम हों। वर्तमान शांति का यह दौर भारत को वैश्विक ऊर्जा बाजारों में स्थिरता लाने वाले ढांचे की वकालत करने का अवसर भी देता है, जिससे भविष्य में भू-राजनीतिक झटकों का असर कम किया जा सके।

अंततः, भारत के लिए इस समय केवल आशावादी दृष्टिकोण पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे ठोस कूटनीतिक और लॉजिस्टिक कदम उठाने होंगे, ताकि इस शांति के अवसर का अधिकतम लाभ उठाते हुए ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके और साथ ही सभी पक्षों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखे जा सकें।

# आइए, हम मिलकर भारत की नारी शक्ति को सशक्त करें

**नरेंद्र मोदी**
**भारत के प्रधानमंत्री**

21वीं सदी की विकास यात्रा में हमारा भारत एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण की ओर आगे बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह ऐसा अवसर है, जब समानता, समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एक नए रूप में सामने आएगीहै। यह ऐसा समय है, जब हमारे देश की संसद को एक महत्वपूर्ण दायित्व निभाना है। उसे ऐसा कदम आगे बढ़ाना है, जो हमारे लोकतंत्र को अधिक व्यापक एवं और अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का यह निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा और लोकसभा और विधानसभाओं संस्थाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा।

यह क्षण इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह ऐसे समय में आ रहा है जब देश का वातावरण उत्सव, नवीनता और सकारात्मकता से भरा हुआ है। आने वाले दिनों में भारत के अलग अलग हिस्सों में अनेक पर्व मनाए जाएंगे।

असम के लोग रोंगाली बिहू मनाने वाले हैं, और ओडिशा मेंमहा बिशुबा पणा संक्रांतिका उत्सव मनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल में पोइला बैशाखके साथ बंगाली नववर्ष की शुरुआत होगी। केरलम में विषु पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। तमिलनाडु के लोग उत्सुकता से पुथांडु की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में लोगों को बैसाखी के पर्व का इंतजार है। हमारे ये पावन पर्व हर किसी में एक नई आशा का संचार करने वाले हैं। भारत के साथ-साथ दुनियाभर में इन त्योहारों को मनाने वाले सभी लोगों को मैं हृदय से शुभकामनाएं देता हूं। मैं ये कामना करता हूं कि ये दिव्य और पावन अवसर हम सभी के जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आएं।

इसी दौरान 11 अप्रैल से महात्मा फुले की 200वीं जयंती के समारोह भी शुरू होंगे। 14 अप्रैल को हम भारतवासी डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती मनाएंगे।ये दोनों तिथियां हमें सामाजिक न्यायऔर मानवीय गरिमा के उन मूल्यों की भी याद दिलाती हैं, जिन्होंने आधुनिक होते भारत की दिशा तय की हैं।

इन्हीं प्रेरणादायी अवसरों के बीच, 16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी। महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ एक विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्व को कम करके आंकना होगा। यह भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है।

हमारी नारीशक्ति देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है।

उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान

दिया है। आज देश के हर सेक्टर में नारीशक्ति मिसाल बन रही है। साइंस एंड टेक्नोलॉजी से लेकर एंटरप्रेन्योरशिप तक, खेल के मैदान से लेकर सशस्त्र बलों तक और संगीत से लेकर कला के क्षेत्र में महिलाएं अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं। हमारी माताएं-बहनें और बेटियां देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

हमारे पारंपरिक मूल्य बताते हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब माताओं-बहनों को आगे बढ़ने के ज्यादा से ज्यादा मौके मिलते हैं। इसी सोच के साथ बीते 11 वर्षों में महिला सशक्तिकरण के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करने पर जोर दिया गया है, इसके लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। शिक्षा तक बढ़ती पहुंच, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, वित्तीय समावेशन में बढ़ोतरी और बुनियादी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच ने आर्थिक और सामाजिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी को मजबूती दी है।

लेकिन ये भी सच्चाई है कि इन सारे प्रयासों के बावजूद भी राजनीति और विधायी संस्थाओं में महिलाओं प्रतिनिधित्व समाज में उनकी भूमिका के अनुरूप नहीं रहा है। इस कमी को अब दूर किया जाना चाहिए, क्योंकि जब महिलाएं प्रशासन चलाने और प्रशासनिक निर्णयों में हिस्सा लेती हैं, तो उनका अनुभव और विजन बहुत काम आता है। इससे चर्चा तो समृद्ध होती ही है, क्वालिटी ऑफ गवर्नेंस में सुधार भी होता है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का विषयनहीं है, ये हमारे लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील, अधिक संतुलित और अधिक उत्तरदायी बनाने का प्रयास है।

पिछले कई दशकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के लिए बार-बार प्रयास हुए हैं।

समितियां गठित की गईं, विधेयकों के मसौदे प्रस्तुत किए गए, लेकिन वे कभी पारित नहीं हो सके। फिर भी, इस बात पर व्यापक सहमति रही है कि विधायी निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। यह मेरे जीवन के सबसे विशेष अवसरों में से एक रहा है। अब जरूरत है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं।

महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने का यह अवसर हमारे संविधान की मूल भावना के साथ गहराई से जुड़ा है। हमारे संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां समानता न केवल संविधान में निहित हो, बल्कि उसे व्यवहार में भी लाया जाए।

विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करना, उस परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह एक ऐसे समाज के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसमें राष्ट्र का भविष्य तय करने में प्रत्येक नागरिक की समान भूमिका हो।

अब इस निर्णय को और टाला नहीं जा सकता। दशकों से इसकी आवश्यकता को स्वीकार किया गया है। इस पर चर्चा हुई है, इसे बार बार दोहराया गया है। अगर अब भी हम इसे आगे टालते हैं, तो उसका अर्थ यही होगा कि हम उस असंतुलन को और लंबा खींच रहे हैं, जिसे हम पहचानते भी हैं और सुधारने की क्षमता भी रखते हैं। आज भारत पूरे

**समितियां गठित की गईं, विधेयकों के मसौदे प्रस्तुत किए गए, लेकिन वे कभी पारित नहीं हो सके। फिर भी, इस बात पर व्यापक सहमति रही है कि विधायी निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। यह मेरे जीवन के सबसे विशेष अवसरों में से एक रहा है।**

आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इसलिए ये जरूरी है कि हमारी संस्थाएं सभी नागरिकों, विशेष रूप से हमारी आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं का सम्मान करें। इससे न सिर्फ दशकों पुराना संकल्प पूरा होगा, बल्कि विकास की गति को बनाए रखने में भी बहुत मदद मिलेगी। यह हमारे लोकतंत्र को अधिक उत्तरदायी बनाने और भविष्य के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक अहम कदम होगा।

यह समय सामूहिक संकल्प का है। यह किसी एक सरकार, एक दल या एक व्यक्ति का विषय नहीं है। यह पूरे राष्ट्र का विषय है। हमें मिलकर इस कदम के महत्व को समझना है और मिलकर ही इसे साकार करना है। यही हमारी नारी शक्ति के प्रति हमारा दायित्व भी है, इसलिए महिला आरक्षण बिल को पारित कराने के लिए सहमति बहुत जरूरी है। इसे बड़े राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर देखा जाना चाहिए। ऐसे अवसर हमें यह याद दिलाते हैं कि कुछ फैसले अपने समय से बड़े होते हैं। वे आने वाली पीढ़ियों की दिशा तय करते हैं। ये हमें याद दिलाते हैं कि लोकतंत्र की असली ताकत समय के साथ खुद को और अधिक न्यायपूर्ण और अधिक समावेशी बनाने की क्षमता में होती है।

संसद का यह ऐतिहासिक सत्र करीब आ चुका है। मैं सभी दलों के सांसदों से हमारी नारीशक्ति के लिए इस महत्वपूर्ण कदम का समर्थन करने का आग्रह करता हूं। हम जिम्मेदारी और दृढ़ संकल्प के साथ इस दायित्व को पूरा करें। आइए, हम अपने लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

# ईरान करता बड़े पलटवार, अमरीका दोस्तों से ही लाचार

**डॉ. प्रभात ओझा**

ऐसा मान लेना जल्दबाजी होगी कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जिसे 'दलाल' कहा था, उसी पाकिस्तान ने जंग रुकवा दी।

प्रारम्भिक तौर पर अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पोस्ट से जरूर यह लगता है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, मैं दो हफ्तों के लिए ईरान पर बमबारी और हमले को रोकने पर सहमत हूं। ट्रंप ने कहा कि यह निर्णय पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर से बातचीत के बाद लिया गया। उन दोनों ने मुझसे नियोजित हमलों को टालने का आग्रह किया था।

राष्ट्रपति का यह निर्णय वाला बयान, उस समय सीमा के सिर्फ एक घंटा पहले आया, जिसके बाद उन्होंने 'एक पूरी सभ्यता का नामोनिशान मिटा देने' की धमकी दी थी। जो भी हो, युद्ध एक सभ्य दुनिया के लिए महापाप ही होता है। इसे शुरू करने के 40वें दिन अचानक शांति का ख्याल आ जाने के पीछे कुछ तो हुआ होगा। उस तय लाइन पर आगे बढ़ने के लिए गुरुवार 10 अप्रैल से इस्लामाबाद में बातचीत करने का निर्णय हुआ। दुनिया इससे राहत की सांस लेगी, इसके संकेत मिलने शुरू हो गये। युद्धविराम घोषित होते ही कच्चे तेल की कीमत करीब 100 डॉलर प्रति बैरल नीचे आ गया। शुरुआती घंटों में ही भारत के शेयर बाजार में भी रौनक देखने को मिलने लगी थी।

खबर पहले भी थी कि पाकिस्तान बातचीत में मध्यस्थता कर रहा है। फर्क यह है कि अब आधिकारिक रूप से दोनों पक्षों के घोषित प्रतिनिधि आमने-सामने बैठेंगे। स्वाभाविक है कि इतनी भयावह तल्खी के बाद सहमति के लिए लेनदेन भी होगी। इस 'दलाली' में मध्यस्थ को क्या मिलेगा, यह भी देखना है। अब मध्यस्थता अथवा दलाली मुख्य प्रश्न नहीं है। प्रश्न है कि किन परिस्थितियों में संघर्ष रोकना पड़ा। शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर के कहने भर से यह हो गया, प्रारम्भिक तौर पर दुनिया में इसे कोई नहीं मान रहा। अभी तो राष्ट्रपति ट्रंप की बेचारगी और लाचारी ही दिख रही है। इसे समझने के लिए युद्ध विराम पर इजराइल के पहले बयान पर नजर डालनी चाहिए। बयान के एक हिस्से में कहा गया है, इजराइल अमरीका की उस कोशिश का समर्थन करता है जिसमें यह सुनिश्चित करना है कि ईरान अब परमाणु हथियार, मिसाइल या आतंक का खतरा न बने। न अमरीका के लिए, न इजराइल के लिए, न ईरान के अरब पड़ोसियों के लिए और न ही दुनिया के लिए।

दरअसल, ईरान खतरा न बने, यह तो बातचीत के रुख से तय होगा। अभी वह अपने उन पड़ोसियों के लिए खतरा जरूर है, जहां अमरीकी अड्डे हैं। ईरान ने युद्ध के दौरान साफ कर दिया था कि वह अपने 'पड़ोसी भाइयों' पर नहीं बल्कि उनके यहां अमरीकी ठिकानों पर हमले कर रहा है। यही नहीं, ईरान ने ट्रंप की ताजा धमकी के बाद मध्य एशिया के विभिन्न देशों में मौजूद महत्वपूर्ण पुलों, जैसे कुवैत का शेख अल अहमद अल सबाह सी ब्रिज, सऊदी अरब और बहरीन को जोड़ने वाला किंग फहद कॉजवे, जार्डन का किंग हुसैन ब्रिज, दामिया और अब्दौलन ब्रिज को निशाने पर रखा था। उसने इजराइल के परमाणु ठिकानों और मध्य एशिया की कई रिफाइनरीज पर भी हमले की योजना बना ली। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि ये सम्बंधित देश ट्रंप पर युद्ध रोकने का दबाव बढ़ा रहे थे।

बातचीत किस दिशा में जाएगी, इस पर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। फिलहाल तो अमरीका की लाचारी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आए होर्मुज प्रस्ताव से भी समझा जा सकता है। ट्रंप का अल्टीमेटम खत्म होने से पहले सुरक्षा परिषद में होर्मुज खोलने पर बहरीन की तरफ से आया प्रस्ताव गिर गया। इस पर वोटिंग में रूस और चीन ने वीटो कर दिया। और तो और, जिस पाकिस्तान के मध्यस्थ होने की खबर है, वह मतदान से गैरहाजिर रहा। पाकिस्तान इस समय सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है। परिणाम यह रहा कि होर्मुज को खुलवाने के अमरीकी इरादे को धक्का पहुंचा। बातचीत के परिणाम का इंतजार करना होगा, अभी तो अमरीका अब तक दुश्मन रहे ईरान के पुनर्निर्माण में मदद करने का भी वचन दे रहा है। चालाक और अस्थिर ट्रंप आगे क्या करें, इसका भी भरोसा नहीं। फिलहाल तो वे लाचार ही लग रहे हैं।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

**खबर पहले भी थी कि पाकिस्तान बातचीत में मध्यस्थता कर रहा है। फर्क यह है कि अब आधिकारिक रूप से दोनों पक्षों के घोषित प्रतिनिधि आमने-सामने बैठेंगे। स्वाभाविक है कि इतनी भयावह तल्खी के बाद सहमति के लिए लेनदेन भी होगी। इस 'दलाली' में मध्यस्थ को क्या मिलेगा, यह भी देखना है। अब मध्यस्थता अथवा दलाली मुख्य प्रश्न नहीं है। प्रश्न है कि किन परिस्थितियों में संघर्ष रोकना पड़ा। शहबाज शरीफ और आसिम मुनीर के कहने भर से यह हो गया, प्रारम्भिक तौर पर दुनिया में इसे कोई नहीं मान रहा। अभी तो राष्ट्रपति ट्रंप की बेचारगी और लाचारी ही दिख रही है।**

# कैसे सेहत और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते स्ट्रा

**-विवेक शुक्ला**

हम सब अपने पसंदीदा पेय -ठंडी कॉफी, ताज़ा नींबू पानी या कोक को पीने के लिए स्ट्रॉ का इस्तेमाल बिना एक पल सोचे कर लेते हैं। ये हमें सुविधाजनक, साफ़-सुथरा और सुरक्षित लगता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह छोटा-सा प्लास्टिक या पेपर स्ट्रॉ हमारी सेहत और पर्यावरण दोनों को चुपचाप नुकसान पहुँचा रहा है? इन छोटे से स्ट्रॉ का केवल कुछ मिनटों के लिए इस्तेमाल होता है, इसलिए इनसे होने वाले नुकसान की कोई चर्चा ही नहीं हो पाती है। लेकिन दुनिया भर में हर दिन इस्तेमाल किए जाने वाले स्ट्रा समुद्र तट और महासागर की सफाई के दौरान सबसे आम कचरे में से एक होते हैं।

अपने छोटे और हल्के आकार के कारण स्ट्रॉ की शायद ही कभी रीसायक्लिंग होती हो। ये नदियों, समुद्रों और कचरा स्थलों (लैंडफिल) में पहुंच जाते हैं, जहां ये सैकड़ों साल तक बने रह सकते हैं। राजधानी के पर्यावरणविद् और उद्यमी गुरसेव चावला कहते हैं, भारत में हमारी बड़ी आबादी और बढ़ती कैफ़े कल्चर के कारण स्ट्रॉ का उपयोग तेज़ी से बढ़ रहा है, जिससे समस्या और गंभीर हो रही है।

कुछ साल पहले, दुनिया के कई हिस्सों में प्लास्टिक स्ट्रॉ पर प्रतिबंध लगना शुरू हुआ, जिसका लोगों ने स्वागत किया। इसके बाद पेपर और मकई से बने प्लास्टिक के स्ट्रॉ बाज़ार में आए और उन्हें ‘पर्यावरण के अनुकूल’ विकल्प के रूप में देखा गया। लेकिन लोगों की धारणा और वास्तविकता के बीच अंतर है। चावला ने इस विषय की गहराई से रिसर्च की। कई देशों का दौरा किया। उन्होंने जो पाया, वह चौंकाने वाला और चिंताजनक था। अपनी शोध की यात्रा ने उन्हें कार्मापैक्स नामक कंपनी शुरू करने के लिए प्रेरित किया, जो गन्ने के अपशिष्ट से बने स्ट्रॉ बनाती है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले स्ट्रॉ के पीछे छिपी सच्चाइयों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का काम किया।

प्रख्यात चिकित्सक और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं, कई पेपर स्ट्रॉ में रसायन होते हैं, जिन्हें 'फॉरएवर केमिकल्स' भी कहा जाता है। ये आसानी से नष्ट नहीं होते और लंबे समय तक पर्यावरण और हमारे शरीर में बने रह सकते हैं। इन्हें नष्ट करने के लिए विशेष औद्योगिक परिस्थितियों की जरूरत होती है, जो भारत के अधिकांश शहरों में उपलब्ध नहीं हैं।

प्लास्टिक स्ट्रॉ क्यों हानिकारक हैं

प्लास्टिक स्ट्रॉ सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली एकल-उपयोग (सिंगल-यूज़) वस्तुओं में से एक हैं। जब ये गर्मी, धूप या नींबू पानी जैसे अम्लीय पेय के संपर्क में आते हैं तो ये माइक्रोप्लास्टिक नामक छोटे कण छोड़ जाते हैं। माइक्रोप्लास्टिक बहुत छोटे प्लास्टिक कण होते हैं, जो हमारे भोजन और पेय के माध्यम से हमारे शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। प्लास्टिक में ऐसे रसायन भी होते हैं जो हमारे हार्मोन को प्रभावित कर सकते हैं और समय के साथ हमारी सेहत को तबाह करने लगते हैं।

एक स्ट्रॉ भले ही नुकसानदेह न लगे, लेकिन इसके नियमित इस्तेमाल से इसका प्रभाव बढ़ता जाता है और यह एक गंभीर चिंता का कारण बन सकता है। यह दिखाता है कि केवल प्लास्टिक को किसी अन्य सामग्री से बदलना पर्याप्त नहीं है- विकल्प वास्तव में सुरक्षित और टिकाऊ होना चाहिए।

बेहतर विकल्प क्या

यहीं पर गन्ने के (Bagasse) से बने स्ट्रॉ एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आते हैं। बगैस (Bagasse) का हिंदी अर्थ खोई है, जो गन्ना या ज्वार का रस निकालने के बाद बचा हुआ सूखा, रेशेदार अवशेष होता है। यह मुख्य रूप से चीनी मिलों में ईंधन, बिजली उत्पादन, कागज़, लुगदी और पर्यावरण-अनुकूल पैकेजिंग सामग्री (डिस्पोजेबल प्लेट, कप) बनाने के लिए एक नवीकरणीय स्रोत के रूप में उपयोग किया जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह भारत में आसानी से उपलब्ध है। आप इसे देश के बड़े चीनी उद्योग का उप-उत्पाद कह सकते हैं।

विशेषज्ञ मानते हैं कि बगास से बने स्ट्रॉ के कई फायदे हैं। जैसा कि ये पूरी तरह प्लास्टिक-मुक्त और गैर-विषैले होते हैं, इनमें हानिकारक रसायन नहीं होते और ये प्राकृतिक रूप से नष्ट हो जाते हैं और घर पर भी गल सकते हैं। ये कृषि अपशिष्ट से बनाए जाते हैं, जिससे बेकार चीज़ उपयोगी बन जाती है। ये रोज़मर्रा के उपयोग के लिए पर्याप्त मज़बूत होते हैं और पेय में कोई हानिकारक पदार्थ नहीं छोड़ते।

क्या यह बड़े स्तर पर संभव है?

सबसे अच्छी बात ये यह है कि बगास आधारित उत्पादों का उत्पादन पहले से ही बढ़ रहा है। पर्यावरण अनुकूल विकल्पों की बढ़ती मांग और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक पर सख्त नियमों के कारण कई व्यवसाय अब ऐसे विकल्प अपनाने लगे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आज के उपभोक्ता अधिक जागरूक हो रहे हैं। वे उन ब्रांड्स को पसंद करते हैं जो वास्तव में पर्यावरण की परवाह करते हैं। व्यवसायों के लिए सुरक्षित विकल्प अपनाने से विश्वास और ब्रांड छवि दोनों में सुधार हो सकता है।

क्या बदलने की जरूरत है

सरकारी नीतियां भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। केवल प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाना पर्याप्त नहीं है। यह स्पष्ट होना चाहिए कि ‘सुरक्षित’ और ‘कम्पोस्टेबल’ किसे कहा जाए। भ्रामक दावों पर नियंत्रण होना चाहिए और कृषि अपशिष्ट का उपयोग करने वाले उद्योगों को समर्थन मिलना चाहिए। चावला कहते हैं कि उपभोक्ताओं के लिए संदेश सरल है- केवल लेबल पर भरोसा न करें। सवाल पूछें और अपने स्वास्थ्य तथा पर्यावरण के लिए सही निर्णय लें। एक स्ट्रॉ भले छोटी चीज़ लगे लेकिन सबको इस तरह की ही स्ट्रॉ का इस्तेमाल करना होगा जो हमारी सेहत और हमारे पर्यावरण के लिए हानिकारक ना हो। अब समय है कि हम सुविधा से आगे बढ़कर जागरूक विकल्प चुनें- एक-एक घूंट के साथ।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और जाने-माने स्तंभकार हैं।)

## पूर्व वाडा अध्यक्ष क्रेग रीडी का 84 वर्ष की आयु में निधन

एजेंसी

**नई दिल्ली।** विश्व एंटी-डोपिंग एजेंसी (वाडा) के पूर्व अध्यक्ष क्रेग रीडी का 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने सोमवार को उनके निधन की पुष्टि की, हालांकि मौत के कारण का खुलासा नहीं किया गया है। क्रेग रीडी खेल प्रशासन में एक प्रभावशाली व्यक्तित्व रहे और उन्होंने ओलंपिक आंदोलन तथा डोपिंग के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह 2013 में वाडा के अध्यक्ष बने थे और अपने कार्यकाल के दौरान रूस के डोपिंग विवाद को लेकर उनके रुख ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। रीडी ने 2012 लंदन ओलंपिक की मेजबानी हासिल करने की बोली में अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा उन्होंने बैडमिंटन को 1992 बार्सिलोना ओलंपिक खेलों में शामिल कराने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने रीडी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें अपना मार्गदर्शक, सलाहकार और करीबी मित्र बताया। उन्होंने कहा कि रीडी ओलंपिक खेलों के गहन ज्ञान और अनुभव के धनी थे, जिसे उन्होंने हमेशा साझा किया। रीडी का कार्यकाल 2016 रियो ओलंपिक से पहले रूस के राज्य प्रायोजित डोपिंग घोटाले के कारण काफी चुनौतीपूर्ण रहा। वाडा की ओर से रूस की पूरी टीम को प्रतिबंधित करने की सिफारिश की गई थी, लेकिन आईओसी और उसके अध्यक्ष थॉमस बाक ने इसका विरोध किया।

## पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल टूर्नामेंट: खालसा, किरोड़ी मल, स्टनर अकादमी और रामजस ने जीत के साथ की शुरुआत

**नई दिल्ली।** पांचवें पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल (पुरुष एवं महिला) टूर्नामेंट का आगाज़ रोमांचक मुकाबलों के साथ हुआ, जिसमें मेज़बान श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, किरोड़ी मल कॉलेज, स्टनर अकादमी और रामजस कॉलेज ने अपने-अपने शुरुआती मैच जीतकर जीत से शुरुआत की। पुरुष वर्ग के मुकाबले में मेज़बान एसजीटीबी खालसा कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एमिटी यूनिवर्सिटी को 77-42 से हराया। टीम की जीत में रूपेश भाटी का अहम योगदान रहा, जिन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। एक अन्य मुकाबले में किरोड़ी मल कॉलेज ने श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स को 80-60 से पराजित किया। किरोड़ी मल कॉलेज के भाव्या को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' घोषित किया गया। वहीं, महिला वर्ग में स्टनर अकादमी ने आईपी कॉलेज पर 76-40 से एकतरफा जीत दर्ज की। इस मैच में शेरिल के शानदार खेल के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। वहीं, एक अन्य मुकाबले में रामजस कॉलेज ने किरोड़ी मल कॉलेज को 40-28 से हराकर टूर्नामेंट में विजयी शुरुआत की। इस मुकाबले में वेदा श्रीवास्तव को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला।

## एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप: भारत के 8 मुक्केबाजों ने बनाई फाइनल में जगह

**उलानबटार।** एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में भारत ने अपना शानदार अभियान जारी रखा है। भारत के कुल आठ मुक्केबाज (छह महिलाएं और दो पुरुष) फाइनल में पहुंच गए हैं। महिलाओं के सेमीफाइनल में मीनाक्षी और जैस्मिन ने मोर्चा संभाला, जबकि विश्वनाथ सुरेश और सचिन ने पुरुषों की श्रेणी में दमदार प्रदर्शन करते हुए इस संख्या में और इजाफा किया। अलग-अलग कैटेगरी में आठ फाइनलिस्ट के साथ, भारत इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के आखिरी दिन में मजबूत लय के साथ उतर रहा है। भारतीय मुक्केबाजों वाले अन्य अहम फाइनल मुकाबलों में, प्रीति (54 किलोग्राम) का सामना चीनी ताइपे की हुआंग शियाओ-वेन से होगा, जबकि प्रिया (60 किलोग्राम) का मुकाबला उत्तर कोरिया की उन ग्योंग वोन से होगा। अरुंधति चौधरी (70 किलोग्राम) अपने गोल्ड मेडल मुकाबले में कजाकिस्तान की बकित सेइडिश से भिड़ेंगी। महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल में मीनाक्षी ने थाईलैंड की थिप्सत्चा योदवारी पर 4:1 से जीत दर्ज करते हुए गोल्ड मेडल मुकाबले में अपनी जगह सुनिश्चित की। दूसरी ओर, जैस्मिन ने महिलाओं के 57 किलोग्राम वर्ग में उज्बेकिस्तान की निगीना उक्तामोवा को एक कड़े मुकाबले में 3:2 से मात दी।

## मुरादाबाद के कुणाल अरोड़ा ने स्टेट चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता

**मुरादाबाद।** मुरादाबाद महानगर निवासी कुणाल अरोड़ा ने एक बार फिर से मॉर्डन अकादमी लखनऊ में आयोजित पैरा स्टेट टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2026 में सोमवार को हुए टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतकर पीतलनगरी का नाम रोशन किया है। कुणाल अरोड़ा के पिता सीनयर टेनिस खिलाड़ी यशपाल अरोड़ा ने बताया कि कुणाल अरोड़ा के इस पदक को जीतने के बाद अब तक कुल 36 पदकों की संख्या हो गई है। इसमें नेशनल एवं इंटरनेशनल पदक भी शामिल है। इस टूर्नामेंट में कुणाल अरोड़ा ने शुरुआत से ही इस टूर्नामेंट में अपने पहले मैच क्वार्टर फाइनल में उमेश नारायण को 2-0 के स्कोर से हराया। इसके बाद अपने दूसरे मैच सेमी फाइनल में भी राजू कुमार जो की (वाराणसी) के खिलाड़ी हैं, उनको भी 3-0 के स्कोर से हराकर फाइनल में स्थान पक्का किया। फाइनल के मुकाबले में कुणाल अरोड़ा ने बृजेंद्र सिंह (बरेली) को एक तरफ़ा मुक़ाबले में 3-0 के स्कोर से हराकर गोल्ड मेडल हासिल किया।

# सूर्यवंशी-यशस्वी की तूफानी पारी

## RR ने MI को 27 रन से हराया

एजेंसी

**मुंबई।** सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के धमाकेदार अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के वर्षा से प्रभावित 11 ओवर के मैच में यहां मुंबई इंडियन्स को 27 रन से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की और छह अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। बारिश के कारण मुकाबला दो घंटे और 40 मिनट के विलंब से शुरू किया जिसके कारण इसे 11 ओवर का कर दिया गया। रॉयल्स के 151 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की टीम कभी लक्ष्य हासिल करने की स्थिति में नहीं दिखी और नौ विकेट पर 123 रन ही बना सकी। मुंबई की ओर से नमन धीर (25) और शेरफेन रदरफोर्ड

(25) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए। रॉयल्स की ओर से नांद्रे बर्गर (21 रन पर दो विकेट), रवि बिश्नोई (25 रन पर दो विकेट) और संदीप शर्मा (26 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट चटकाए। जायसवाल ने इससे पहले 32 गेंद में चार छक्कों और 10 चौकों से नाबाद 77 रन की पारी खेलने के अलावा वैभव सूर्यवंशी (39 रन, 14 गेंद, पांच छक्के, एक चौके) के साथ पांच ओवर में 80 रन जोड़े जिससे रॉयल्स ने तीन विकेट पर 150 रन बनाए। मुंबई की ओर से स्पिनर अल्लाह गजनफर सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 21 रन देकर दो विकेट चटकाए। शारदुल ठाकुर ने भी 36 रन देकर एक विकेट हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरे मुंबई की शुरुआत खराब रही और टीम ने तीसरे ओवर में 22 रन तक ही तीन विकेट गंवा दिए। टीम ने पहले ही ओवर में रेयान रिकेल्टन (08) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने जोफ्रा आर्चर की गेंद को हवा में लहराकर विकेटकीपर ध्रुव जुरेल को कैच थमाया।

कप्तान सूर्यकुमार यादव (06) ने तेज गेंदबाज बर्गर पर छक्का जड़ा लेकिन फिर आर्चर को कैच दे बैठे जबकि संदीप शर्मा ने सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा (05) को पगबाधा करके मुंबई को तीसर झटका दिया। मुंबई की टीम पावर प्ले के 3.2 ओवर में तीन विकेट पर 30 रन ही बना सकी।

## बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस अंडर-19 एलीट कैंप के लिए हिमाचल के तीन क्रिकटरों का चयन

एजेंसी

**धर्मशाला।** हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) के 3 खिलाड़ियों का चयन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस अंडर-19 बॉयज एलीट कैंप 2026 के लिए हुआ है। यह कैंप 11 मई से 6 जून 2026 तक देश के विभिन्न केंद्रों पर आयोजित किया जाएगा। खिलाड़ियों को 10 मई की दोपहर तक रिपोर्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। एचपीसीए से चयनित खिलाड़ियों में बिलासपुर के आदित्य कटारिया, हमीरपुर के अक्षय वशिष्ठ और ऊना के अर्पित सिंह शामिल हैं।

इन खिलाड़ियों को क्रमशः राजकोट, नडियाद और मोहाली में आयोजित होने वाले कैंप में अलग-अलग टीमों के साथ प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा। कैंप में शामिल होने से पहले सभी खिलाड़ियों की शारीरिक फिटनेस का आकलन धर्मशाला स्थित एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम में किया जाएगा। फिटनेस परीक्षण में सफल होने के बाद ही खिलाड़ियों को कैंप में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। सचिव मनुज शर्मा ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई दी एचपीसीए के मानद सचिव मनुज शर्मा ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह अवसर खिलाड़ियों के लिए अपने खेल को निखारने और राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का महत्वपूर्ण मंच है।

## फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले कोलंबिया को राहत: जेम्स रोड्रिगेज ट्रेनिंग पर लौटे

एजेंसी

**लॉस एंजेलिस/मिनेसोटा।** कोलंबिया के स्टार फुटबॉलर जेम्स रोड्रिगेज से जुड़ी स्वास्थ्य चिंताओं के बीच राहत भरी खबर सामने आई है। गंभीर डिहाइड्रेशन के चलते अस्पताल में भर्ती रहने के बाद वह अब अपने क्लब मिनेसोटा यूनाइटेड के साथ ट्रेनिंग पर लौट आए हैं।

34 वर्षीय रोड्रिगेज पिछले सप्ताह तीन दिन तक अस्पताल में भर्ती रहे थे। उन्हें 29 मार्च को फ्रांस के खिलाफ खेले गए मैच के बाद तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल ले जाया गया था, जहां जांच में गंभीर डिहाइड्रेशन की पुष्टि हुई।

शुरुआत में अमेरिकी मीडिया में उनकी स्थिति को लेकर गंभीर बीमारी (रैबडोमायोलिसिस) की आशंका जताई गई थी, लेकिन मिनेसोटा यूनाइटेड ने इन खबरों का खंडन किया। क्लब ने स्पष्ट किया कि मेडिकल जांच में ऐसी किसी गंभीर बीमारी के कोई प्रमाण नहीं मिले हैं। क्लब के अनुसार, अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद रोड्रिगेज घर पर आराम कर रहे थे और अब उन्होंने 'नियंत्रित ट्रेनिंग सत्र' के

साथ मैदान पर वापसी की है। उनकी पूर्ण रूप से टीम ट्रेनिंग में वापसी क्लब के मेडिकल स्टाफ की निगरानी और उनकी शारीरिक स्थिति के अनुसार होगी। गौरतलब है कि जेम्स रोड्रिगेज फीफा वर्ल्ड कप 2026 में कोलंबिया टीम के अहम खिलाड़ी हैं। ऐसे में उनकी फिटनेस टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

## आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप: पलक और मुकेश ने 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण जीता, बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

एजेंसी

**ग्रेनाडा।** आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप में भारतीय निशानेबाज पलक और मुकेश नेलावल्ली की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस दौरान दोनों ने विश्व रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में कुल 487.7 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया, जो जूनियर विश्व रिकॉर्ड भी है। फाइनल में पलक ने 243.0 और मुकेश ने 244.7 अंक जुटाए।

इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में भी दोनों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 581-17× के स्कोर के साथ पदक मुकाबले में जगह बनाई। भारतीय जोड़ी क्वालिफिकेशन में दूसरे स्थान पर रही, जबकि चीन की जोड़ी 586-23× के स्कोर के साथ पहले स्थान पर रही। चीन के कियानशुन याओ और काई हू ने 484.8 अंक के साथ रजत पदक जीता, जबकि हंगरी की वेरोनिका मेजर और अकोस कारोली नागी की जोड़ी ने 414.9 अंक के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

इसके साथ ही उन्होंने 242.1 अंक का एशियाई खेल रिकॉर्ड बनाते हुए पेरिस ओलंपिक 2024 का कोटा भी हासिल किया था।

मुकेश नेलावल्ली भी भारतीय

18 वर्षीय पलक पहले भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुकी हैं। उन्होंने एशियन गेम्स 2023 में 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण और टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता था। निशानेबाजी के उभरते सितारे हैं और जूनियर विश्व चैंपियन रह चुके हैं। इस जीत के साथ भारतीय जोड़ी ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का नाम रोशन किया है।

## फीफा वर्ल्ड कप 2026: सोफी स्टेडियम के कर्मचारियों की चेतावनी, मांगें न मानी गईं तो हड़ताल संभव

एजेंसी

**लॉस एंजेलिस।** फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले लॉस एंजेलिस स्थित सोफी स्टेडियम में काम करने वाले करीब 2,000 फूड सर्विस कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले यूनियन ने बड़ा कदम उठाया है। यूनियन ने मांग की है कि टूर्नामेंट के दौरान अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट (आईसीई) को वर्ल्ड कप संचालन से दूर रखा जाए, अन्यथा कर्मचारी हड़ताल पर जा सकते हैं।यूनाइट हियर लोकल 11, जो इस स्टेडियम में कुक, सर्वर और बारटेंडर का प्रतिनिधित्व करता है, ने सोमवार को कहा कि वर्ल्ड कप नजदीक आने के बावजूद कर्मचारियों के पास अब तक कोई श्रम अनुबंध नहीं है।

यूनियन ने फीफा और स्टेडियम के मालिक क्रोंके स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट के सामने तीन प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें आईसीई और बॉर्डर पेट्रोल की किसी भी भूमिका को लेकर सार्वजनिक आश्वासन, यूनियन कर्मचारियों की नौकरी और कार्य परिस्थितियों की सुरक्षा, तथा

हॉस्पिटैलिटी कर्मचारियों के लिए किफायती आवास का समर्थन शामिल है।अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के कार्यवाहक निदेशक टॉड लायंस ने हाल ही में कहा था कि वर्ल्ड कप में आईसीई 'महत्वपूर्ण भूमिका' निभाएगा। इस बयान पर यूनियन ने चिंता जताते हुए कहा कि इससे लॉस एंजेलिस में कामगारों और दर्शकों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। इस मुद्दे पर फीफा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है, जबकि सोफी स्टेडियम प्रबंधन ने भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। यूनियन ने यह भी मांग की है कि टूर्नामेंट के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन का उपयोग कर कर्मचारियों की नौकरियां समाप्त न की जाएं। इसके अलावा यूनियन ने लॉस एंजेलिस, विशेषकर इंग्लवुड क्षेत्र में बढ़ती आवास लागत को लेकर भी चिंता जताई है और वर्कफोर्स हाउसिंग फंड, शॉर्ट-टर्म रेंटल पर नियंत्रण तथा किफायती आवास और प्रवासी परिवारों की सुरक्षा के लिए कर उपायों की मांग की है।

यूनियन के सह-अध्यक्ष कर्ट पीटरसन ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि फीफा और उसके कॉर्पोरेट प्रायोजक इस आयोजन से अरबों डॉलर कमाएंगे, लेकिन आयोजन को सफल बनाने वाले कर्मचारियों की अनदेखी कर रहे हैं।

## बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में ध्रुव-तनिषा की जोड़ी ने बचाई भारत की चुनौती

एजेंसी

**निंगबो (चीन)।** बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 में भारत की मिश्रित युगल स्पर्धा में ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश की उम्मीदों को कायम रखा, जबकि अन्य दो भारतीय जोड़ियां पहले ही दौर में बाहर हो गईं। ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो ने थाईलैंड के फुवानत होरबानलुएकिट और बेन्यापा ऐमसार्ड की जोड़ी को कड़े मुकाबले में 21-14, 11-21, 21-15 से हराया। 51 मिनट तक चले इस मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने शानदार संयम और आक्रामक खेल दिखाया। एक अन्य मुकाबले में रोहन कपूर और गड्डे रूथविका शिवानी को मलेशिया की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी गोह सून हुआत और लाई शेवोन जेमी के खिलाफ 13-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। 34 मिनट तक चले इस मैच में भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में अच्छी वापसी की कोशिश की, लेकिन अनुभवी

मलेशियाई जोड़ी ने मुकाबला सीधे गेम में अपने नाम कर लिया। इसके अलावा, अशित सूर्य और अमृता प्रमुथेश की जोड़ी भी पहले दौर की बाधा पार नहीं कर सकी। उन्हें मलेशिया के वोंग टियन सी और लिम च्यू सिएन के खिलाफ 16-21, 15-21 से हार झेलनी पड़ी। 31 मिनट के इस मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने संघर्ष जरूर किया, लेकिन निर्णायक मौकों पर दबाव बनाए रखने में असफल रही। अब बुधवार से एकल मुकाबलों की शुरुआत होगी, जिसमें भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

## असफलताओं से मिलती है आगे और ज्यादा मेहनत करने की सीख : देवदत्त पडिक्कल

एजेंसी

**बेंगलुरु।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उन्होंने टीम की शुरुआती दोनों जीत में अहम भूमिका निभाई है। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 29 गेंदों में 50 रन और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 26 गेंदों में 61 रन की पारी खेलकर उन्होंने अपने बेहतरीन फॉर्म का परिचय दिया है।

पडिक्कल का यह प्रदर्शन केवल रन बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके खेल में आए बदलाव और मानसिक मजबूती को भी दर्शाता है। आईपीएल में अपने शुरुआती दौर में तकनीकी रूप से मजबूत बल्लेबाज के रूप में पहचान बनाने वाले पडिक्कल ने समय के साथ अपने खेल में

बदलाव किया है।अपने कठिन दौर को याद करते हुए पडिक्कल ने कहा, 'जब चीजें मेरे अनुसार नहीं हुईं तो मेरे पास कोई जवाब नहीं था, लेकिन उसी दौर ने मुझे बेहतर बनने की प्रेरणा दी। कई बार असफलताएं ही आपको याद दिलाती हैं कि आपको और कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। 'पडिक्कल की 2025 में आरसीबी में वापसी उनके करियर का अहम मोड़ साबित हुई। टीम के बल्लेबाजी कोच दिनेश कार्तिक ने बताया कि पडिक्कल टीम के लिए खेलने को लेकर बेहद उत्साहित थे। कार्तिक ने कहा, 'पहली बातचीत में ही उन्होंने कहा था कि वह आरसीबी के अलावा किसी और टीम के लिए खेलने की कल्पना भी नहीं कर सकते। वह शुरू से ही टीम के लिए कुछ खास करने के मिशन के साथ आए थे। ' आरसीबी में दोबारा मौका मिलने के बाद पडिक्कल ने अपने खेल में बदलाव करने का फैसला किया। खासकर टी20 क्रिकेट में तेजी से रन बनाने की क्षमता पर उन्होंने काफी काम किया। पडिक्कल ने कहा, 'मैंने तय किया कि मुझे अपने खेल में बदलाव करना होगा और परिणाम की चिंता किए बिना उस पर काम करना होगा।

यह आसान नहीं था, क्योंकि मैं एक खास तरीके से खेलते हुए बड़ा हुआ हूं, लेकिन मुझे अपने कंफर्ट जोन से बाहर आना जरूरी लगा। ' उन्होंने 2025 सीजन में 10 मैचों में 150 के स्ट्राइक रेट से 247 रन बनाए थे। आईपीएल 2026 में पडिक्कल का यह विकास अब प्रदर्शन में साफ नजर आ रहा है।

## देवबलहारी व सुहानी ने जीती विवेक मैराथन दौड़ प्रतियोगिता , 1400 छात्र छात्राओं ने किया प्रतिभाग

एजेंसी

**बिजनौर।** उत्तर प्रदेश के जनपद बिजनौर के विवेक विश्वविद्यालय द्वारा विश्व स्वास्थ्य दिवस पर मंगलवार को मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें पुरुष वर्ग मे देव बलहारी तथा महिला वर्ग में सुहानी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर पुरुष वर्ग में सनी कुमार तथा महिला वर्ग में सानिया रही तथा तृतीय स्थान पर पुरुष वर्ग में अभिषेक एवं महिला वर्ग मे मेघा रहीं। इसके अलावा प्रथम 40 प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया। मैराथन मे प्रथम पुरस्कार ग्यारह हजार रुपये द्वितीय पुरस्कार 5100 रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 2100 रुपये महिला व पुरुष दोनों वर्गो को अलग अलग दिये गये। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।मैराथन का शुभारम्भ प्रातः 7

बजे नेहरु स्टेडियम से मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी बिजनौर डा कौशलेन्द्र, जिला क्रीडा अधिकारी राजकुमार, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अमित गोयल, प्रति कुलाधिपति दीपक मित्तल, कुलपति एन.के.गुप्ता, सीईओ अनिल शर्मा द्वारा हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया । पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि चंदवाहिनी चौधरी ने छात्र/छात्राओं को संबोधित किया।

## भारतीय अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम रूस में खेलेगी तीन मैत्री मैच

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारत की अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम रूस के सोची में 11, 14 और 17 अप्रैल 2026 को मेजबान टीम के खिलाफ तीन मैत्री मैच खेलेगी। मुख्य कोच पामेला कोंटी ने इस दौरे के लिए 23 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। सभी मुकाबले सोची के मात्सेस्टा फुटबॉल सेंटर में खेले जाएंगे और भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे शुरू होंगे। यंग टाइग्रेसेस, जो एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप चीन 2026 की तैयारियों में जुटी हैं, 6 अप्रैल की रात सोची पहुंची। पिछले महीने टीम ने यांगून का दौरा किया था, जहां उसने मेजबान टीम के खिलाफ दो मैत्री मैच खेले और दोनों में जीत दर्ज की (2-0 और 3-2)। इसके बाद टीम ने बेंगलुरु में अपना प्रशिक्षण शिविर जारी रखा। एशियन कप में, जो सूझोउ में खेला जाएगा, भारत को ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया (2 मई), जापान (5 मई) और लेबनान (8 मई) के खिलाफ मुकाबले खेलने हैं।

रूस दौरे के लिए भारत अंडर-17 महिला टीम (23 सदस्यीय):

गोलकीपर: मुन्नी, सूरजमुनी कुमारी, तम्फसाना देवी कोंजेंगबम

डिफेंडर: एलेना देवी सारंगथेम, अलीशा लिंगदोह, दिव्यानी लिंडा, एलिजाबेथ लकड़ा, जॉयशिनी चानू हुइद्रोम, रितु बड़ाइक, तानिया देवी तोनंबम

# अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी भारतीय महिला हॉकी टीम, खेलेगी चार मैचों की सीरीज

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारतीय सीनियर महिला हॉकी टीम इस महीने चार मैचों की सीरीज के लिए अर्जेंटीना दौरे पर जाएगी। यह सीरीज 13 से 17 अप्रैल के बीच ब्यूनस आयर्स स्थित सिनार्ड में खेली जाएगी। इस सीरीज में भारत अपने घरेलू मैदान पर मजबूत दक्षिण अमेरिकी टीम अर्जेंटीना से भिड़ेगा, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। मैच 13, 14, 16 और 17 अप्रैल को खेले जाएंगे, जिनका समय स्थानीय समयानुसार सुबह 11:00 बजे (भारतीय समयानुसार शाम 6:30 बजे) रहेगा।भारत और अर्जेंटीना के बीच पिछले कुछ वर्षों में कड़े मुकाबले देखने को मिले हैं, जिसमें पिछले साल जून में एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के दौरान 2-2 से ड्रॉ मुकाबला भी शामिल है, जिसका फैसला शूटआउट से हुआ था। यह दौरा भारत के लिए उच्च स्तर की अंतरराष्ट्रीय टीम के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच अभ्यास का अवसर

प्रदान करेगा और हॉकी इंडिया की रणनीतिक योजना के अनुरूप टीम को 2026 के एफआईएच हॉकी विश्व कप (बेल्जियम और नीदरलैंड) और इस साल होने वाले एशियाई खेलों से पहले लय हासिल करने में मदद करेगा।

यह सीरीज भारत के लिए काफी अहम तैयारी साबित होगी, जिसमें टीम को चार तेज-तर्रार मैच खेलने का मौका मिलेगा। साथ ही, कोचिंग स्टाफ को खिलाड़ियों के विभिन्न संयोजन और रणनीतियों को आजमाने का अवसर भी मिलेगा, क्योंकि टीम अपने कैलेंडर के महत्वपूर्ण दौर में प्रवेश कर रही है। दौरे को लेकर भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच श्योर्ड मारिन ने कहा, 'हम 24 खिलाड़ियों के दल के साथ अर्जेंटीना जा रहे हैं और यह एक सोचा-समझा फैसला है। इस दौरे का मकसद ज्यादा खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर प्रदर्शन का मौका देना है। अर्जेंटीना दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है और वहां का माहौल हमें बताएगा कि हर खिलाड़ी किस स्तर पर खड़ा है। हम देखना चाहते हैं कि दबाव के समय कौन खिलाड़ी आगे आता है। 'उन्होंने आगे कहा, 'इस टीम में जगह बनाने के लिए सबसे पहले एक टीम खिलाड़ी होना जरूरी है। व्यक्तिगत क्षमता महत्वपूर्ण है, लेकिन यदि आप टीम के साथ तालमेल नहीं बैठा सकते और एक-दूसरे के लिए काम नहीं कर सकते, तो इस टीम में जगह बनाना मुश्किल होगा। '

## सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

**नई दिल्ली।** घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,50,650 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,50,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,38,090 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,38,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु आज भी दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार के भाव यानी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,50,800 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,50,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,50,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

## केंद्र सरकार उद्योगों को देगी राहत, स्पेशल क्रेडिट गारंटी स्कीम का ड्राफ्ट तैयार

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया में जारी जंग के कारण दुनिया के तमाम देशों की तरह ही भारत की अर्थव्यवस्था पर भी लगातार दबाव बढ़ रहा है। इस दबाव की वजह से मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के साथ ही सप्लाई और सर्विस सेक्टर पर भी काफी नकारात्मक असर पड़ा है। संकट की स्थिति में केंद्र सरकार जल्दी ही बड़ा राहत पैकेज जारी करने का ऐलान कर सकती है। स्पेशल क्रेडिट गारंटी स्कीम नाम के ढाई लाख करोड़ के इस राहत पैकेज का ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि जल्दी ही इस ड्राफ्ट को कैबिनेट की मंजूरी मिल सकती है। इस राहत पैकेज को कोरोना संकट के दौरान साल 2020 में लाई गई इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम (ईसीजीएलएस) के तर्ज पर तैयार किया गया है। हालांकि इस राहत पैकेज का दायरा और बजट ईसीजीएलएस की तुलना में काफी अधिक बड़ा होगा। जानकारों के अनुसार इस क्रेडिट गारंटी स्कीम के जरिए केंद्र सरकार उन सभी सेक्टर्स की वित्तीय सहायता देगी, जो पश्चिम एशिया में जारी जंग की वजह से प्रभावित हुए हैं। खासकर, जिन सेक्टरों को युद्ध के कारण सप्लाई चेन बाधित होने की वजह से बढ़ी हुई लागत का सामना करना पड़ रहा है, उन्हें इस राहत पैकेट के जरिए वित्तीय सहायता देकर लिक्विडिटी क्रंच से बचाने की कोशिश की जाएगी।

## क्रिसिल की रिपोर्ट में खुलासा, मार्च में मांसाहारी थाली की कीमतों में आई गिरावट

**नई दिल्ली।** क्रिसिल इंटेलिजेंस की नवीनतम 'रोटी चावल दर' रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2026 में आम आदमी की रसोई के बजट को लेकर मिश्रित संकेत मिले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, घर पर तैयार की जाने वाली मांसाहारी (नॉन-वेज) थाली की लागत में पिछले वर्ष की तुलना में 1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, शाकाहारी (वेज) थाली की कीमतें पिछले वर्ष के समान स्तर पर ही स्थिर बनी हुई हैं। मांसाहारी थाली के सस्ता होने का मुख्य कारण 'ब्रॉयलर' (मुर्गे) की कीमतों में आई 2 प्रतिशत की कमी है, जो इस थाली की कुल लागत का लगभग आधा हिस्सा कवर करता है। हालांकि, खाद्य तेल और घरेलू एलपीजी की कीमतों में हुई वृद्धि ने थाली की कीमतों में और अधिक गिरावट की संभावनाओं को सीमित कर दिया है। शाकाहारी थाली की कीमतों के स्थिर रहने के पीछे सब्जियों के दामों में आया विरोधाभासी बदलाव प्रमुख रहा। मार्च 2025 की तुलना में टमाटर की कीमतों में 33 प्रतिशत का भारी उछाल देखा गया और यह 21 रुपये से बढ़कर 28 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया, जिसका मुख्य कारण कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में कम पैदावार रही।

## एयर इंडिया सीईओ कैंपबेल विल्सन ने अपने पद से दिया इस्तीफा, कौन बनेगा नया बॉस? रेस में कई दिग्गज

**नई दिल्ली।** u Air India के CEO कैंपबेल विल्सन ने इस्तीफा दिया। टाटा समूह नए नेतृत्व की तलाश में है, जबकि एयरलाइन भारी घाटे और AI 171 हादसे की जांच जैसी बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है। एयर इंडिया, जो टाटा समूह के स्वामित्व में है, में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। एयरलाइन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) कैंपबेल विल्सन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि, वह तब तक अपनी जिम्मेदारियां संभालते रहेंगे जब तक नए सीईओ की नियुक्ति नहीं हो जाती। उनका कार्यकाल इस साल सितंबर में समाप्त होना था, और उन्होंने पहले ही संकेत दे दिए थे कि वह आगे इस पद पर नहीं रहेंगे। इसी कारण कंपनी ने जनवरी से ही नए चेहरे की तलाश शुरू कर दी थी। हिंदुस्तान टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले सप्ताह हुई बोर्ड बैठक (Air India) में विल्सन का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया। नेतृत्व में किसी तरह का व्यवधान न आए, इसलिए वह सितंबर 2026 तक या नए सीईओ के चयन तक पद पर बने रहेंगे। नए सीईओ की खोज अब अंतिम चरण में है। इस पद की दौड़ में कई अंतरराष्ट्रीय और फुल-सर्विस एयरलाइंस के अनुभवी दिग्गज शामिल हैं। उम्मीद की जा रही है कि अगले सप्ताह होने वाली अहम बैठक में नए नाम पर अंतिम फैसला लिया जा सकता है।

## खराब बिक्री के चलते भारत से बाहर हुआ होंडा का दमदार स्कूटर, ग्राहकों को नहीं भाया प्रीमियम मैक्सी मॉडल

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** भारतीय दोपहिया बाजार में प्रतिस्पर्धा लगातार तेज होती जा रही है, जहां हर कंपनी नए मॉडल और आधुनिक तकनीक के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करने की कोशिश में लगी है। लेकिन इस कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच कुछ प्रीमियम मॉडल ऐसे भी हैं, जो अपनी खूबियों के बावजूद ग्राहकों का दिल नहीं जीत पाते। ऐसा ही एक उदाहरण सामने आया है, जहां होंडा ने अपने दमदार और अनोखे मैक्सी स्कूटर को भारतीय बाजार से हटाने का फैसला लिया है।

कमजोर मांग बनी बड़ी वजह

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अपने प्रीमियम मैक्सी स्कूटर एक्स-एडीवी को भारत में बंद कर दिया है। कंपनी के इस फैसले के पीछे सबसे बड़ी वजह इसकी कमजोर बिक्री मानी जा रही है। हालांकि कंपनी ने पिछले वर्ष इसका अद्यतन संस्करण भी पेश किया था,



जिसमें डिजाइन और सुविधाओं में कई सुधार किए गए थे, लेकिन इसके बावजूद यह मॉडल ग्राहकों को आकर्षित करने में सफल नहीं हो सका। यह स्कूटर अपने आकर्षक और मजबूत लुक के कारण सड़क पर अलग पहचान बनाता था। इसके नए संस्करण में डिजाइन को और अधिक धारदार और प्रभावशाली बनाया गया था। इसमें दोहरी प्रकाश व्यवस्था वाली हेडलाइट, दिन में भी जलने वाली लाइटें और सुदृढ़ बॉडी पैनलिंग दी गई थी, जो इसे एक साहसिक वाहन का रूप देती थी। इसके अलावा बड़ी विंडस्क्रीन, मजबूत सुरक्षा ढांचा, ऊंची सीट व्यवस्था और ऊपर की ओर उठता एग्जॉस्ट इसे अन्य स्कूटरों से अलग बनाते थे।

कंपनी ने इस स्कूटर को कई आकर्षक रंगों में पेश करने की योजना बनाई थी, जिसमें गहरे और हल्के रंगों के विकल्प शामिल थे। इसके साथ ही एक विशेष संस्करण भी लाने की तैयारी थी, जिसमें अलग रंग संयोजन और खास ग्राफिक्स दिए जाने थे, जो इसे और अधिक प्रीमियम और खास बनाते।इस मैक्सी स्कूटर में शक्तिशाली इंजन दिया गया था, जो उच्च क्षमता और बेहतर प्रदर्शन के लिए जाना जाता है। इसके साथ उन्नत ट्रांसमिशन तकनीक जोड़ी गई थी, जो इसे अपने वर्ग में खास बनाती थी। इसके मजबूत पहिए, बेहतर ब्रेकिंग सिस्टम और लंबी दूरी के लिए उपयुक्त सस्पेंशन इसे हल्के ऑफ-रोड और लंबी यात्रा के लिए सक्षम बनाते थे।

कंपनी ने इस स्कूटर के निर्माण में पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए कई पुनर्चक्रित सामग्री का उपयोग किया था। इसके विभिन्न हिस्सों में ऐसे पदार्थों का इस्तेमाल किया गया, जो पर्यावरण के अनुकूल हों और भविष्य में पुनः उपयोग किए जा सकें। यह कदम कंपनी के दीर्घकालिक पर्यावरणीय लक्ष्यों के अनुरूप था।

## जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड ने बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को बनाया 'ब्रांड एंबेसडर'

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** देश की प्रमुख स्टेनलेस स्टील कंपनी जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) ने बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को अपना पहला ब्रांड एंबेसडर और नेशनल सेलिब्रिटी एंडोर्सर नियुक्त किया है।

कंपनी ने कहा कि बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को बेहद गर्व और उत्साह के साथ जिंदल स्टेनलेस ने रणवीर सिंह को अपना ब्रांड एंबेसडर घोषित किया है, जो कंपनी की ब्रांड यात्रा में एक नए अध्याय की शुरुआत है। इस कदम का मकसद अपने ब्रांड का उपभोक्ताओं से जुड़ाव मजबूत करना, कंपनी की ब्रांड दृश्यता बढ़ाना और भारत के विकास में स्टेनलेस स्टील की भूमिका को उजागर करना है। यह करार देशव्यापी टीवी,




डिजिटल और सोशल मीडिया अभियानों के माध्यम से उपभोक्ताओं से जुड़ाव को मजबूत करेगा। जिंदल स्टेनलेस के प्रबंध निदेशक (एमडी) अभ्युदय जिंदल ने कहा कि जिंदल स्टेनलेस अपने विकास के अगले चरण में प्रवेश कर रही है। रणवीर सिंह का व्यक्तित्व और दर्शकों से उनका मजबूत जुड़ाव उन्हें एक उपयुक्त विकल्प बनाता है, जो देशभर के लोगों तक स्टेनलेस स्टील की बहुमुखी उपयोगिता को पहुंचाने में मदद करेगा। जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड कंपनी की भारत तथा विदेशों में 16 विनिर्माण एवं प्रसंस्करण इकाइयां हैं। इनमें स्पेन और इंडोनेशिया भी शामिल हैं। मार्च 2025 तक कंपनी का नेटवर्क 12 देशों में फैला हुआ था।

## राजस्थान बना निवेशकों का पसंदीदा राज्य, एक साल में रीको ने खोले 21 नवीन औद्योगिक क्षेत्र

**एजेंसी**

**जयपुर।** राजस्थान की अर्थव्यवस्था की गति बढ़ाने एवं राज्य के औद्योगिक परिदृश्य को पूरी तरह बदलने के लिये रीको लगातार प्रयास कर रहा है। रीको ने औद्योगिक विकास के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

रीको द्वारा हर वर्ष अपने प्रदर्शन में निरंतर सुधार किया जा रहा है, जो राज्य में औद्योगिक वातावरण को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में रीको द्वारा जहां राज्य में 12 नए औद्योगिक क्षेत्र आवंटन हेतु खोले गए थे, वहीं वर्ष 2025-26 में 21 नवीन औद्योगिक क्षेत्र खोले गए हैं, जो औद्योगिक विस्तार के प्रति रीको की प्रतिबद्धता को स्पष्ट करता है।

इसी प्रकार से रीको ने वर्ष 2024-25 में 880 भूखण्डों का आवंटन किया था जबकि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 2175 भूखण्डों का आवंटन किया गया है जो रीको की

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

सक्रिय कार्यशैली और उद्यमियों का राज्य में अधिक से अधिक उद्योग स्थापित करने के प्रति बढ़ते रूझान को दर्शाती है। रीको विकास कार्यों पर व्यय करने में भी पीछे नहीं है।

जहां वर्ष 2024-25 में विकास कार्यों हेतु 413 करोड़ रुपये के कार्यादेश दिये थे, वहीं 2025-26 में 1045 करोड़ रुपये के विकास कार्यों हेतु कार्यादेश दिए गए हैं जो पिछले वर्ष के मुकाबले दोगुने से भी अधिक है। राजस्व प्राप्ति के मामले में भी रीको ने इस वर्ष उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। वर्ष 2024-25 में भूमि के आवंटन से जहां 1513 करोड़ रुपये रीको को प्राप्त हुए, वहीं 2025-26 में रीको को 2526 करोड़ रुपये इस मद में प्राप्त हुए।

नए औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिए भूमि अधिग्रहण में भी रीको ने उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2024-25 में जहां 111 करोड़ रुपये की भूमि प्राप्त की गई थी, वहीं 2025-26 में 1611 करोड़ रुपये की भूमि रीको द्वारा विभिन्न सरकारी विभागों से आवंटित कराई गई है। रीको की यह सतत प्रगति यह दर्शाती है कि रीको हर वर्ष नए मानक स्थापित करते हुए राज्य के औद्योगिक विकास को नई दिशा एवं गति दे रहा है।

## एयर इंडिया की घरेलू उड़ानें 899 रुपये तक महंगी, नया किराया लागू

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया संकट के कारण एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में भारी बढ़ोतरी का असर अब हवाई यात्रियों की जेब पर पड़ने वाला है। देश की प्रमुख एयरलाइन एयर इंडिया ने लागत के बढ़ते दबाव को देखते हुए अपने फ्यूल सरचार्ज में बदलाव का फैसला लिया है। नई दरें 8 अप्रैल से प्रभावी होंगी। एयर इंडिया समूह ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर संशोधित ईंधन अधिभार बढ़ाने की घोषणा की है। एयरलाइन के इस कदम के बाद घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के टिकटों की कीमतों में अब इजाफा होना तय है, जिससे आने वाले दिनों में डोमेस्टिक फ्लाइट में किराया 299 रुपये लेकर 899 रुपये तक बढ़ जाएगा। अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट टिकटों के दाम 2,200 रुपये लेकर 26 हजार रुपये तक बढ़ जाएंगे।एयरलाइन ने कहा कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा नागरिक उड्डयन मंत्रालय के घरेलू एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एफटीए) की कीमतों में बढ़ोतरी की सीमा 25




फीसदी तय करने के निर्णय के बाद एयर इंडिया समूह भी इसी संतुलित दृष्टिकोण को अपना रहा है। इसके तहत घरेलू उड़ानों पर लगने वाले एक समान सरचार्ज को हटाकर दूरी पर आधारित एक नई ग्रिड प्रणाली लागू की जा रही है, जो 08 अप्रैल से प्रभावी होगी, जिसमें एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ानें भी शामिल हैं।एयर इंडिया के मुताबिक जेट फ्यूल की कीमतें लगभग दोगुनी होने के कारण उड़ानों की लागत बढ़ गई है। विमान ईंधन की औसत कीमत 195.19 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई है, जो फरवरी के अंत में 99.40 डॉलर थी। इससे पहले इंडिगो ने भी फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया था। एयरलाइंस का फ्यूल सरचार्ज टिकट पर लगने वाली वह एक्स्ट्रा फीस है, जो तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण वसूली जाती है। यह चार्ज एयरलाइंस को ईंधन के बढ़ते खर्चों से निपटने में मदद करता है। इसे कंपनियां टिकट के साथ जोड़ देती हैं।-

## इस एसयूवी का जलवा कायम, मार्च में सबसे ज्यादा खरीदी गई, ग्राहकों ने दिखाया भरोसा

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** भारतीय वाहन बाजार में इन दिनों एक बार फिर स्पर्धा तेज हो गई है, जहां अलग-अलग कंपनियां ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए नए मॉडल और बेहतर सुविधाएं पेश कर रही हैं। इसी बीच मार्च 2026 की बिक्री रिपोर्ट ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि किआ की गाड़ियां ग्राहकों की पहली पसंद बनती जा रही हैं। खासतौर पर किआ सोनेट ने इस दौड़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी का खिताब अपने नाम कर लिया है। इसकी किफायती कीमत, आकर्षक डिज़ाइन और दमदार प्रदर्शन ने इसे बाजार में खास पहचान दिलाई है।

**मार्च में सबसे आगे रही किआ सोनेट**

मार्च 2026 में मॉडल आधारित बिक्री के आंकड़ों पर नजर डालें तो किआ सोनेट ने शीर्ष स्थान हासिल किया। इस दौरान कुल 12,012 ग्राहकों ने इस एसयूवी को खरीदा, जो इसके प्रति लोगों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। पिछले वर्ष मार्च 2025 में जहां इसकी बिक्री 7,705 इकाइयों तक सीमित थी, वहीं इस



साल इसमें लगभग 56 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह उछाल बताता है कि यह एसयूवी लगातार ग्राहकों की उम्मीदों पर खरी उतर रही है।

**अन्य मॉडलों का प्रदर्शन भी रहा मजबूत**

बिक्री सूची में दूसरे स्थान पर किआ सेल्टोस रही, जिसने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11,041 गाड़ियों की बिक्री की। इसमें सालाना आधार पर लगभग 69 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो इसे कंपनी के लिए एक और मजबूत स्तंभ बनाती है। तीसरे स्थान पर किआ कैरेंस रही, जिसकी 5,933 इकाइयां बिकीं और इसमें भी हल्की बढ़ोतरी देखी गई।

वहीं, किआ कार्निवल का प्रदर्शन इस दौरान कमजोर रहा और इसकी बिक्री में भारी गिरावट दर्ज की गई। मार्च 2026 में यह केवल 67 ग्राहकों तक ही सीमित रह गई। इसके अलावा किआ के अन्य मॉडलों में भी मिश्रित परिणाम देखने को मिले, जहां कुछ गाड़ियों ने मामूली वृद्धि दर्ज की तो कुछ को अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी।

**इलेक्ट्रिक गाड़ियों को नहीं मिले खरीदार**

किआ की विद्युत गाड़ियों को इस बार निराशा हाथ लगी। मार्च महीने में कंपनी की प्रमुख विद्युत एसयूवी मॉडल को एक भी ग्राहक नहीं मिला। यह संकेत देता है कि अभी भारतीय बाजार में इस श्रेणी की गाड़ियों को लेकर ग्राहकों की रुचि सीमित बनी हुई है या फिर प्रतिस्पर्धा काफी तेज हो गई है।

**कुल बिक्री में भी दर्ज हुई बढ़त**

यदि कंपनी की कुल बिक्री की बात करें तो मार्च 2026 में किआ ने कुल 29,112 गाड़ियों की बिक्री की। यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 14 प्रतिशत अधिक है। यह आंकड़ा स्पष्ट करता है कि कंपनी का बाजार में विस्तार लगातार जारी है और ग्राहकों का भरोसा भी मजबूत हो रहा है। किआ सोनेट की सफलता के पीछे इसके इंजन विकल्पों की विविधता भी एक बड़ा कारण है। इसमें ग्राहकों को तीन अलग-अलग इंजन विकल्प मिलते हैं, जो अलग-अलग जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं। इसका एक इंजन अधिक शक्ति और तेज प्रदर्शन देने में सक्षम है।

## कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल, डब्ल्यूटीआई 116 डॉलर प्रति बैरल के पार

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध संकट और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को दी गई चेतावनी के बाद कच्चे तेल की कीमतों में 3 फीसदी से ज्यादा का



उछाल आया है, जिससे कीमतें नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं।अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल की कीमत में 3 फीसदी से ज्यादा का उछाल देखने को मिला है। मई में आपूर्ति वाले वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चे तेल का वायदा भाव 4.14 डॉलर यानी 3.7 फीसदी की बढ़त के साथ 116.55 डॉलर प्रति बैरल हो गया। ब्रेंट तेल के जून में आपूर्ति वाले अनुबंध की कीमत 1.5 फीसदी चढ़कर 111.40 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। ब्रेंट क्रूड ने पश्चिम एशिया संघर्ष की शुरुआत के बाद से 60 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्ज की है। विश्लेषकों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में वैश्विक आपूर्ति के जटिल हालात और ऊर्जा निर्यात के लिए महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर मौजूदा अनिश्चितता के कारण कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। व्यापारियों को आपूर्ति में संभावित बाधा और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर चिंता बनी हुई है।

## भारतीय शेयर बाजार लगातार चौथे दिन हरे निशान में बंद, सेंसेक्स 509 अंक उछला

**एजेंसी**

**मुंबई ।** भारतीय शेयर बाजार कारोबारी सत्र में हरे निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 509.73 अंक या 0.69 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,616.58 और निफ्टी 155.40 अंक या 0.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,123.65 पर था। बाजार में तेजी का नेतृत्व आईटी शेयरों ने किया। निफ्टी आईटी इंडेक्स 2.5 प्रतिशत की तेजी के साथ सूचकांकों में टॉप गेनर था। इसके अलावा निफ्टी रियल्टी, निफ्टी मेटल, निफ्टी डिफेंस, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी कमोडिटीज, निफ्टी पीएसई, निफ्टी एनर्जी और निफ्टी प्राइवट बैंक बढ़त के साथ बंद हुए। केवल निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी पीएसयू बैंक लाल निशान में थे। सेंसेक्स पैक में



एचसीएल टेक, टीसीएस, इन्फोसिस, भारती एयरटेल, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, एचयूएल, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, मारुति सुजुकी, टाटा स्टील, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक और बजाज फाइनेंस टॉप गेनर्स थे। इंडिगो, एमएंडएम, टाइटन, ट्रेंट, एसबीआई, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी और इटरनल लूजर्स थे।

लार्जकैप के अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में मिलाजुला कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 107.90 अंक या 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 54,600.55 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 9.75 की कमजोरी के साथ 15,843.30 पर था।

एसबीआई सिक्योरिटीज के फंडामेंटल रिसर्च हेड सन्नी अग्रवाल ने कहा कि भारतीय शेयर बाजार उतार-चढ़ाव भरे सत्र में बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में करीब 500 अंकों की बढ़त दर्ज की गई और निफ्टी 50 ने दिनभर की भारी गिरावट से उबरते हुए 23,100 के ऊपर बंद होने का रिकॉर्ड बनाया।

अमेरिका-ईरान तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण बाजार कमजोर खुले, लेकिन विप्रो, इंफोसिस और टीसीएस के नेतृत्व में आईटी शेयरों में जोरदार खरीदारी और धातु एवं रियल एस्टेट शेयरों के सपोर्ट से बाजार में रिकवरी देखने को मिली।अग्रवाल ने आगे कहा कि कल आने वाला आरबीआई की मौद्रिक नीति कमेटी का फैसला और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलने के लिए अमेरिका द्वारा ईरान को दी गई डेडलाइन, जो भारतीय समयानुसार सुबह 5:30 बजे समाप्त हो रही है, बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

## स्टॉक मार्केट में विविड इलेक्ट्रोमेक की प्रीमियम एंट्री, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** लो और मीडियम वोल्टेज इलेक्ट्रिकल पैनल तथा ऑटोमेशन सिस्टम बनाने वाली कंपनी विविड इलेक्ट्रोमेक के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली प्रीमियम के साथ एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 555 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 1.80 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 565 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर उछल कर 593.25 रुपये के स्तर तक पहुंच गए। हालांकि बाद में मुनाफा वसूली होने पर इसके भाव में गिरावट आ गई। दोपहर 11:50 बजे तक कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 567 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह से अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 12 रुपये यानी 2.16 प्रतिशत के फायदे में थे।

विविड इलेक्ट्रोमेक का 130.54 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 30 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.06 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.95 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.50 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन सिर्फ 0.36 गुना सब्सक्राइब हो सका था।

इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 105 करोड़ रुपये के 18.84 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 25.54 करोड़ रुपये के 4.68 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयर की बिक्री नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने, पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

## देश का कपड़ा बाजार 15 साल में हुआ तीन गुना

**एजेंसी**

**नई दिल्ली।** देश का कपड़ा बाजार पिछले 15 साल में तीन गुना होकर लगभग 15 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कपड़ा मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी 'घरेलू वस्त्र मांग पर अध्ययन रिपोर्ट: कपड़ा एवं वस्त्र बाजार पर राष्ट्रीय परिवार सर्वेक्षण 2024' के अनुसार, पिछले 15 साल में कपड़ों की घरेलू मांग में मजबूत वृद्धि हुई है और इसका बाजार 2010 के 4.89 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2024 में 14.95 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इस प्रकार इसमें औसतन 8.3 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गयी है।

मंत्रालय के अंतर्गत टेक्सटाइल्स कमेटी द्वारा किए गए अध्ययन पर आधारित इस रिपोर्ट के अनुसार, कुल बाजार आकार में घरेलू क्षेत्र का योगदान 2010 में 4.18 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर साल 2024 में 8.77 लाख करोड़ रुपये हो गया, जिसने देश में कपड़ों की मांग को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रिपोर्ट में यह भी पता चला है कि पिछले 15 साल में पुरुषों की जींस और महिलाओं के लेगिंग्स की मांग सबसे तेजी से बढ़ी है। साथ ही एक गौर करने वाली बात यह है कि तकनीकी वस्त्रों की इस्तेमाल शहरों के मुकाबले ग्रामीण इलाकों में अधिक होता है। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने आज यह रिपोर्ट जारी की। इस अवसर पर वस्त्र सचिव नीलम शमी राव तथा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

## भोपाल में खुलेगा फाइनेंशियल ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, उज्जैन एयरपोर्ट के लिए 590 करोड़ मंजूर

**एजेंसी**

**भोपाल।** मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में हुई कैबिनेट की बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए। इसमें भोपाल में फाइनेंशियल ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (एफटीआरआई) खोलने के साथ ही उज्जैन एयरपोर्ट के लिए 590 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। इसके अलावा अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के छात्रों के लिए दस हजार रुपये प्रतिमाह स्कॉलरशिप भी मंजूर की गई है।प्रदेश के एमएसएमई मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप ने बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में वित्तीय प्रबंधन को लेकर राज्य सरकार ने फाइनेंशियल ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (एफटीआरआई) खोलने को मंजूरी दी है। यह इंस्टीट्यूट प्रदेश में वित्तीय प्रबंधन पर रिसर्च और बजट आकलन समेत अन्य वित्तीय व्यवस्थाओं के लिए काम करेगा। इसका संचालन शुरुआत में प्रशासन अकादमी भोपाल से किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि मंत्रि-परिषद ने उज्जैन में सिंहस्थ को देखते हुए एयरपोर्ट विकसित करने के लिए 590 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। यह राशि एयरपोर्ट के लिए भूमि अधिग्रहण पर खर्च की जाएगी। केंद्र सरकार की उड़ान योजना के अंतर्गत यह एयरपोर्ट बनेगा और इसका काम केंद्र सरकार पूरा कराएगी। इसके बनने से सिंहस्थ के दौरान एयरबस विमानों का संचालन किया जा सकेगा, जिससे लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। उल्लेखनीय है कि उज्जैन देश-विदेश में धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण है, जहां 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर एवं सांदिपनी आश्रम स्थित है तथा सिंहस्थ महाकुंभ का आयोजन भी होता है, जिससे यहां पर काफी अधिक संख्या में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को दूरस्थ क्षेत्रों से आवागमन होता रहता है। विक्रम उद्योगपुरी एवं अन्य औद्योगिक क्षेत्रों के कारण औद्योगिक गतिविधियों में तेजी से वृद्धि हो रही है। इसके अतिरिक्त उज्जैन कृषि एवं सेवा क्षेत्र की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण एवं विकासशील नगर है। इसलिए उज्जैन में हवाईपट्टी का उन्नयन/विस्तार आवश्यक है। मंत्री काश्यप ने बताया कि मंत्रि-परिषद ने अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों के लिए दस हजार रुपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति देने को भी मंजूरी दी है। अभी यह 2000 रुपये प्रतिमाह दी जाती थी, लेकिन महंगाई को देखते हुए अब सरकार ने इसे दस हजार रुपये प्रतिमाह कर दिया है। अब पोस्ट ग्रेजुएट और ग्रेजुएट करने वाले बच्चों को यह राशि दी जाएगी। योजनांतर्गत प्रति वर्ष 100 नवीन विद्यार्थियों एवं पूर्व से अध्ययनरत विद्यार्थी लाभांवित होंगे। इसमें 50 नवीन स्नातक, 50 नवीन स्नातकोत्तर और 50 पूर्व से अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए एक वर्ष के मान से 1.80 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने बताया कि मंत्रि-परिषद द्वारा जन कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों के लिए 16,720 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई। वाणिज्यिक कर विभाग की आठ योजनाओं के लिए 2030-2031 तक 2,952 करोड़ रुपये का अनुमोदन किया गया है। इसके अलावा चना एवं मसूर फसल के आगामी तीन वर्षों में उपार्जन के लिए 3,174 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है।बैठक में वन क्षेत्रों में पुनरुत्पादन, पुनर्स्थापना एवं संरक्षण के लिए 5,215 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। आरटीई (शिक्षा का अधिकार) के तहत अशासकीय विद्यालयों को ट्यूशन फीस की प्रतिपूर्ति के लिए 3039 करोड़ रुपये की स्वीकृति की गई है। पीएम श्री विद्यालय योजना के लिए 940 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा, कक्षा 9वीं से 12वीं तक अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पुस्तकें प्रदान करने के लिए 693 करोड़ की स्वीकृति दी गई है। मंत्रि-परिषद नेमंदसौर जिले की कातना सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के लिए 88.41 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इस परियोजना में 3500 हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित होगा और 120 गांवों के 1358 परिवारों को इसका लाभ मिलेगा।

## लापता अमेरिकी पायलट को लेकर मीडिया कवरेज पर फूटा ट्रंप का गुस्सा, कानूनी कार्रवाई की धमकी दी

एजेंसी

**वाशिंगटन ।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान में एक हाई-रिस्क यूएस रेस्क्यू मिशन से जुड़े लीक को लेकर पत्रकार और मीडिया सगठनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर रिपोर्टर अपने सूत्र बताने से मना करते हैं तो उन्हें जेल हो सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'हम उस लीकर को ढूंढने के लिए बहुत मेहनत कर रहे हैं। सरकार उनसे कहेगी कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है, इसलिए जानकारी सौंप दें, वरना जेल जाना पड़ सकता है।' ट्रंप ने कहा कि लीक से पता चला कि एक अमेरिकी पायलट अभी भी लापता है, जबकि दूसरे को बचा लिया गया था, जिससे ईरानी अधिकारी अलर्ट हो गए और ऑपरेशन मुश्किल हो गया। उन्होंने कहा, 'अचानक, पूरे ईरान को पता चल गया। ' उन्होंने सोर्स को बीमार इंसान कहा और चेतावनी दी कि जिस व्यक्ति ने यह स्टोरी की है, अगर वह नहीं बताएगा तो उसे जेल जाना पड़ेगा। यह बात प्रेस की आजादी और राष्ट्रीय सुरक्षा रिपोर्टिंग को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आई है। उस सोर्स की पहचान का जिक्र करते हुए जिसने लापता पायलट के बारे में डिटेल्स बताई थीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'सोर्स बता दो या जेल जाओ। '

## ईरान में फंसे पायलट के रेस्क्यू के लिए अमेरिका ने 155 एयरक्राफ्ट के साथ चलाया ऑपरेशनः ट्रंप

**वाशिंगटन** । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि 100 से ज्यादा विमानों वाले एक बड़े अमेरिकी हवाई ऑपरेशन में ईरान में फंसे दो पायलट को बचाया गया। यह हाल के सालों में सबसे मुश्किल लड़ाकू खोज और रेस्क्यू मिशनों में से एक था। बता दें, ईरान के खिलाफ अमेरिका के ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के दौरान गुरुवार देर रात एक एफ-15 फाइटर जेट गिर गया। एफ-15 ई के दोनों क्रू मेंबर ईरानी इलाके में इजेक्ट हो गए थे। एक पायलट को कुछ ही घंटों में ढूंढकर बचा लिया गया, लेकिन दूसरा पायलट लापता हो गया था। अमेरिकी पायलट लगभग दो दिनों तक पकड़ में नहीं आया फिर उसे एक बड़े फॉलो-अप मिशन में निकाला गया। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में आयोजित न्यूज कॉन्फ्रेंस में रिपोर्टरों से कहा, 'कुछ ही घंटों में, हमारी सेना ने दुश्मन के एयरस्पेस में 21 मिलिट्री एयरक्राफ्ट तैनात किए, कई बार दुश्मन की तरफ से बहुत भारी फायरिंग का सामना करना पड़ा। हम ईरान के ऊपर दिन में सात घंटे उड़ रहे थे। 'ज्वाइंट चीफ्स के चेयरमैन डैन केन ने कहा कि इजेक्ट होने के बाद दोनों पायलट अलग-थलग हो गए, जिससे उन्हें सुरक्षित घर लाने के लिए तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। पहले पायलट को दिन के उजाले में तब बचाया गया जब अमेरिकी एयरक्राफ्ट ईरानी एयरस्पेस में घुसा और दुश्मन सेनाओं से भिड़ा। दूसरा पायलट एक वेपन सिस्टम ऑफिसर था। वह जख्मी हालत में क्रैश साइट से बहुत दूर लैंड किया और दुश्मन के लोगों से घिरा हुआ था।

## अमेरिका-भारत संबंधों में तेजी आने के साथ ही प्राथमिकताओं के तालमेल पर जोर

**वॉशिंगटन।** संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत ने अपनी रणनीतिक साझेदारी में नई गति का संकेत दिया है। यह संकेत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के लिए आयोजित व्हाइट हाउस रात्रिभोज से पहले मिला। वहीं वॉशिंगटन में हुई उच्चस्तरीय बैठकों की श्रृंखला ने सुरक्षा और राजनीतिक प्राथमिकताओं पर बढ़ती समानता को भी रेखांकित किया। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति भारत में अमेरिकी राजदूत के साथ एक रात्रिभोज में भाग लेने वाले हैं। गोर इस समय अमेरिकी राजधानी में हैं और कई बैठकों में शामिल हो रहे हैं। गोर ने वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों, जिनमें एफबीआई निदेशक काश पटेल भी शामिल हैं, के साथ बैठकों के बाद सहयोग के विस्तार पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उन्होंने 'रचनात्मक चर्चा' की, जिसमें 'सीमा पार खतरों, साइबर अपराध, मादक पदार्थों और अवैध नेटवर्क' से निपटने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने कहा, 'सुरक्षा प्राथमिकताओं पर मजबूत तालमेल है,' और जोड़ा कि पटेल 'एफबीआई में शानदार काम कर रहे हैं।' उन्होंने हालिया कानून-प्रवर्तन उपलब्धियों का भी उल्लेख किया और कहाः '2025 मेंः हिंसक अपराधों में गिरफ्तारियों में साल-दर-साल 112फीसदी की वृद्धि। हत्याओं में 20 प्रतिशत की कमी। डकैती में 20 प्रतिशत की कमी! '

## ट्रंप ने समयसीमा तय की, ईरान पर हमलों की चेतावनी दी

**वॉशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को समझौता करने के लिए अंतिम समयसीमा दी है और चेतावनी दी है कि अगर बातचीत विफल होती है तो व्यापक सैन्य कार्रवाई की जाएगी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच यह कदम उठाया गया है, जिसका वैश्विक ऊर्जा और सुरक्षा पर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'उनके पास कल तक का समय है और जोड़ा कि कूटनीति की गुंजाइश तेजी से खत्म हो रही है। उन्होंने बताया कि बातचीत जारी है लेकिन अनिश्चित बनी हुई है। उन्होंने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा 'हमें लगता है कि वे ईमानदारी से बातचीत कर रहे हैं... हमें जल्द ही पता चल जाएगा। ' इसके साथ ट्रंप ने साफ किया कि सैन्य विकल्प अब भी खुले हैं। 'हम उन्हें बुरी तरह हिला सकते हैं,' उन्होंने कहा, संभावित अमेरिकी कार्रवाई के पैमाने को रेखांकित करते हुए। उन्होंने यह भी जोड़ा कि संभावित लक्ष्यों के मामले में 'बहुत कम चीजें सीमा से बाहर हैं,' जिससे संकेत मिलता है।

# बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप बढ़ा, 118 की मौत

एजेंसी

**ढाका ।** बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। देश के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) ने बताया कि संदिग्ध मामलों और जटिलताओं के कारण 118 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें अधिकतर बच्चे हैं। डीजीएचएस के मुताबिक, मृतकों की ये संख्या 15 मार्च से सोमवार सुबह तक रिकॉर्ड की गई। रविवार-सोमवार के बीच महज 24 घंटों में पांच लोगों की मौत हो गई थी। हेल्थ एजेंसी ने बताया कि खसरे के संदिग्ध मरीजों की संख्या 2006 है और इनमें से अधिकतर बच्चे हैं जिनका देश के अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। रिपोर्ट्स से पता चलता है कि राजशाही मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल (आरएमसीएच) में संक्रामक बीमारी के लक्षणों से जूझ रहे दो और बच्चों की मौत हो गई, जिससे इस अस्पताल में मृतकों की कुल संख्या 42 हो गई है।

अस्पताल के प्रवक्ता शंकर कुमार बिस्वास के हवाले से बांग्लादेशी डेली ढाका ट्रिब्यून ने बताया कि दोनों बच्चों की मौत 24



घंटे (रविवार-सोमवार) के बीच हुई। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि सिस्टम में सुधार के बिना, खसरे को नियंत्रित करने के लिए उठाए गए इमरजेंसी उपायों से कोई खास फायदा होने की संभावना नहीं है।

विशेषज्ञों और डीजीएचएस में डिजीज कंट्रोल की पूर्व निदेशक बेनजीर अहमद ने कहा कि मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने वैक्सीनेशन के लिए फंड देने वाले सेक्टोरल प्रोग्राम को अचानक रद्द कर दिया था। इसी वजह से मीजल्स वैक्सीन का संकट पैदा हो गया, जिससे कई बच्चों की मौत हो गई।

बांग्लादेश के जाने-माने अखबार डेली स्टार ने अहमद के हवाले से कहा, 'जब हमें वर्ल्ड हेल्थ डे पर कुछ पॉजिटिव मनाना चाहिए, तो हमें एक आउटब्रेक से लड़ना पड़ रहा है, जो वाकई बहुत कष्टकारी है। हमें 2026 तक मीजल्स-रूबेला को खत्म करना है, लेकिन हम अस्पतालों में मीजल्स के बढ़ते मरीजों की संख्या से जूझ रहे हैं। ' इसके अलावा, 2024 के आखिर में प्लान किया गया इम्यूनाइजेशन का स्पेशल कैंपेन सियासी बदलाव के बीच नहीं चलाया जा सका।

हेल्थ अधिकारियों के मुताबिक, अंतरिम सरकार ने ऐसा कोई ड्राइव शुरू नहीं किया, जबकि शॉट लगाने वाले वर्कर 2025 में तीन बार हड़ताल पर चले गए, जिससे नियमित टीकाकरण कार्यक्रम में रुकावट आई। डेली स्टार से नाम न बताने की शर्त पर एक और अधिकारी ने कहा कि फंड की कमी के कारण जनवरी से एक्सपैंडेड प्रोग्राम ऑन इम्यूनाइजेशन (ईपीआई) को कुछ इलाकों में वैक्सीन की राशनिंग करनी पड़ी। एक और पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट, मुश्ताक हुसैन, ने कहा कि हालांकि सरकार ने मीजल्स के मामलों और मौतों में बढ़ोतरी को कंट्रोल करने के लिए इमरजेंसी वैक्सीनेशन कैंपेन चलाया है, लेकिन हेल्थ सेक्टर में लगातार तरक्की के लिए सुधार की जरूरत है।

## ट्रंप ने ईरान युद्ध को लेकर नाटो देशों और सहयोगियों पर निशाना साधा

एजेंसी

**वाशिंगटन ।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अमेरिका के सैन्य अभियान का समर्थन न करने के लिए नाटो और अमेरिका के खास सहयोगियों की कड़ी आलोचना की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस गठबंधन को कागजी शेर कहा। ट्रंप ने कहा, 'नाटो एक कागजी शेर है। लड़ाई के दौरान अलायंस आगे आने में नाकाम रहा।' उन्होंने कहा कि सहयोगी देशों ने मदद न करने के लिए अपनी हदें पार कर दीं और लॉजिस्टिक सपोर्ट देने से भी मना कर दिया। वे हमें लैंडिंग स्ट्रिप भी नहीं देना चाहते थे। ट्रंप ने जापान, दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों को भी अपनी आलोचना में शामिल किया। उन्होंने कहा, 'जापान ने हमारी मदद नहीं की, ऑस्ट्रेलिया ने हमारी मदद नहीं की, दक्षिण कोरिया ने हमारी मदद नहीं की। ' उन्होंने कहा कि लड़ाई का बोझ अकेले अमेरिका ने उठाया है। उन्होंने सहयोगियों में अमेरिका के दबदबे पर जोर देते हुए कहा, 'नाटो हम हैं। ' ये टिप्पणी ईरान के साथ संघर्ष बढ़ने के बीच अमेरिका और उसके साथियों के बीच बढ़ते तनाव को दिखाते हैं। द वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, कई अमेरिकी साझेदार वाशिंगटन के तरीके को अप्रत्याशित मानते हैं और अमेरिकी सुरक्षा गारंटी पर भरोसा करने के बावजूद लड़ाई में शामिल होने से हिचकिचा रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जब एनर्जी में रुकावटें और आर्थिक नुकसान बढ़ रहे हैं, इस संघर्ष ने सहयोगियों को एक परेशानी में डाल दिया है। ट्रंप ने यूरोपीय साथियों के रवैये की भी आलोचना की और कहा कि उन्होंने लंबे समय से चले आ रहे संबंधों के बावजूद हिस्सा लेने से मना कर दिया था। सहयोगियों की भागीदारी की कमी, अमेरिका के नेतृत्व वाली पिछली लड़ाइयों से अलग है, जहां गठबंधन का सपोर्ट एक अहम हिस्सा था।

## रेलवे सिस्टम पर हमला इंसानियत की साझी विरासत के खिलाफ, रोके यूएनः ईरान ने यूनेस्को को लिखा खत

एजेंसी

**तेहरान ।** ईरान की ओर से यूनेस्को को खत लिखा गया है। जिसमें ईरान के रेल सिस्टम को उड़ाने की इजरायली धमकी की आलोचना करने को कहा गया है। सांस्कृतिक विरासत मंत्री ने यूनेस्को महानिदेशक को ये आधिकारिक चिट्ठी लिखी है। दरअसल, ईरान के 1,394 किलोमीटर लंबे ट्रांस-ईरानी रेलवे को यूनेस्को ने 2021 में विश्व धरोहर के तौर पर मान्यता दी गई है। ईरान की आईएसएनए न्यूज एजेंसी ने इसकी जानकारी दी है। एजेंसी ने बताया कि ईरान के सांस्कृतिक विरासत मंत्री रेजा सलीही अमीरी ने यूनेस्को के महानिदेशक को एक आधिकारिक चिट्ठी भेजी है, जिसमें यूएन एजेंसी से देश के रेलवे सिस्टम पर हमले की इजरायल की धमकी की निंदा करने और इस पर रोक लगाने की अपील की है। यूनेस्को की वेबसाइट के मुताबिक, 1,394 किलोमीटर लंबे ट्रांस-ईरानी रेलवे को, जो उत्तर-पूर्व में कैस्पियन सागर को दक्षिण-पश्चिम में फारस की



खाड़ी से जोड़ता है, यूनेस्को ने 2021 में 'इसके बड़े आकार और खड़ी चढ़ाई वाले रास्तों और दूसरी मुश्किलों को पार कर इंजीनियरिंग के मिसाल' सिस्टम को वर्ल्ड हेरिटेज साइट के तौर पर मान्यता दी थी।

आईएसएनए ने बताया कि मंत्री ने इस खतरे को इंसानियत की साझी विरासत पर हमला बताया और यूएन एजेंसी से इजरायली सैन्य कार्रवाई को रोकने के लिए तुरंत एक साफ रुख अपनाने को कहा।

वहीं, आईडीएफ ने नया वीडियो जारी कर दावा किया कि उसने ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम पर हवाई हमले किए हैं। सेना के अनुसार, अब तक ईरान के 130 से ज्यादा एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया गया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि ईरान को 'एक ही रात में खत्म किया जा सकता है।' उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान तय समय से पहले अमेरिका से समझौता नहीं करता, तो कार्रवाई कभी भी हो सकती है और यह मंगलवार रात भी हो सकती है। सके लिए उन्होंने रात 8 बजे (वाशिंगटन समय और भारत में बुधवार सुबह 5:30 बजे ) तक की डेडलाइन तय की है।

## 1 करोड़ 40 लाख ईरानी, देश के लिए जान कुर्बान करने को तैयार : राष्ट्रपति

एजेंसी

**तेहरान ।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान को तबाह करने की धमकी के महज कुछ घंटे पहले राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने बड़ा दावा किया है। ईरानी राष्ट्रपति ने एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा कि देश की रक्षा के लिए जनता खुद को कुर्बान करने के लिए तैयार है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'अब तक 14 मिलियन (1 करोड़ 40 लाख) से ज्यादा बहादुर ईरानियों ने ईरान की रक्षा के लिए अपनी जान कुर्बान करने का ऐलान कर दिया है। मैंने भी ईरान के लिए अपनी जान कुर्बान की है, कर रहा हूं और करता रहूंगा।' बता दें कि ईरान की आबादी लगभग 90 मिलियन है।

पेजेश्कियन से पहले, देश के सुप्रीम काउंसिल ऑफ यूथ एंड एडोलसेंट्स के सचिव (युवा और खेल मामलों के उपमंत्री) अलीरेजा रहीमी ने ऊर्जा संयंत्रों के बाहर प्रबुद्ध ईरानी जनों और युवाओं को मानव श्रृंखला बनाने की सलाह दी थी।

रहीमी ने सोशल मीडिया पोस्ट



में भी लिखा, 'हम सब हाथों में हाथ डालकर यह कहेंगे कि सार्वजनिक ढांचे पर हमला करना युद्ध अपराध है। ' इस बीच इजरायल की ओर से ईरान पर हमले लगातार जारी हैं। आईडीएफ ने लोगों को ट्रेन से सफर न करने की चेतावनी जारी की। इसमें कहा गया है कि अगले 12 घंटे तक ट्रेन का इस्तेमाल न करें और रेल की पटरियों से भी दूर रहें। 'द टाइम्स ऑफ इजरायल' के अनुसार सेना का मानना है कि आतंकी गतिविधियों के लिए रेल मार्ग का उपयोग किया जाता है। आईडीएफ ने एक्स पर बयान जारी कर कहा, 'प्रिय नागरिकों, आपकी सुरक्षा के लिए हम आपसे अपील करते हैं कि अभी से लेकर रात 9 बजे (ईरान समय) तक पूरे देश में ट्रेन से यात्रा न करें। ट्रेन और रेलवे लाइनों के पास मौजूदगी आपको खतरे में डाल सकती है। '

ट्रंप ने ईरान को होर्मुज खोलने के लिए मंगलवार रात 8 बजे (अमेरिकी समय) तक का समय दिया है, लेकिन इजरायल की चेतावनी उससे करीब 6.5 घंटे पहले खत्म हो जाएगी।

# इजरायली दूतावास के बाहर गोलीबारी, गवर्नर बोले 'राइफल-बंदूक से लैस थे हमलावर

एजेंसी

**इस्तांबुल ।** तुर्की की राजधानी इस्तांबुल में इजरायली कॉन्सुलेट के पास गोलीबारी हुई। स्थानीय मीडिया के अनुसार कुछ लोग बंदूक लेकर पहुंचे और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाब में गोली चलाई। इलाके को सील कर दिया गया और बड़ी संख्या में पुलिस यूनिट्स को मौका-ए-वारदात पर भेजा गया। इस्तांबुल के गवर्नर दावुत गुल ने कहा, 'एक आतंकवादी मारा गया और दो घायल हो गए। हमारी पुलिस के उठाए गए कदमों की वजह से, कम नुकसान हुआ। मरने वालों की पहचान करने की कोशिशें जारी हैं। यह एक ऐसा काम था जिससे उकसावे की बू आ रही है। '

इससे पहले एक बयान में, इस्तांबुल पुलिस ने तीन संदिग्धों के मारे जाने की जानकारी दी थी। रॉयटर्स के अनुसार इस गोलीबारी में 3 हमलावर मारे गए जबकि स्थानीय मीडिया ग्रुप्स के अनुसार 2 मारे गए। वारदात में दो पुलिसवाले भी घायल हुए हैं।



ब्रॉडकास्टर एनटीवी ने बताया कि एक बंदूकधारी को घायल हालत में पकड़ लिया गया, और दूसरा मारा गया। अपुष्ट खबरों के मुताबिक, संदिग्धों ने बिल्डिंग के पास तैनात पुलिस अधिकारियों पर गोली चलाई, जो एक खास बिजनेस हब में है और यहां बड़े तुर्की बैंकों का हेडक्वार्टर भी है। अभी यह पता नहीं है कि हमलावरों ने कॉन्सुलेट को निशाना बनाया था या नहीं।

गवर्नर ने कहा कि हमलावरों ने इजरयाली कॉन्सुलेट पर हमला करने के लिए राइफल और बंदूकों का इस्तेमाल किया। वहीं, मंत्री अकिन गुरलेक ने कहा है कि इस मामले की जांच की जा रही है। अभी तक हमलावरों का मकसद पता नहीं चल पाया है। इस्तांबुल में इजरायली कॉन्सुलेट के इर्द गिर्द ठीक-ठाक सुरक्षा व्यवस्था रहती है।

यह गोलीबारी ऐसे समय में हुई है जब ईरान के साथ इजरायल-यूएस संघर्ष चरम पर है। ऐसा तनाव जिससे पूरा खाड़ी क्षेत्र हिल गया है और पूरी दुनिया की एनर्जी सप्लाई पर असर पड़ा है। 28 फरवरी को ईरान पर यूएस-इजरायल ने मिसाइलें दागीं, जिसे अब यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खत्म करना चाहते हैं, और उन्होंने ईरानियों को ऐसा करने के लिए 'मंगलवार रात 8 बजे (वाशिंगटन समय, भारत में बुधवार 5.30 बजे)' तक की डेडलाइन दी है।

## बांग्लादेशः पूर्व स्पीकर शिरीन शर्मिन चौधरी ढाका में गिरफ्तार

एजेंसी

**ढाका ।** बांग्लादेशी पुलिस ने अवामी लीग की वरिष्ठ नेता और पूर्व पार्लियामेंट स्पीकर शिरीन शर्मिन चौधरी को गिरफ्तार किया। स्थानीय मीडिया ने इसका खुलासा किया गया। शिरीन देश की पहली महिला स्पीकर रह चुकी हैं। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (मीडिया) के डिप्टी कमिश्नर एनएम नसीरुद्दीन ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि पूर्व स्पीकर को मंगलवार सुबह ढाका के धानमंडी स्थित उनके निवास से हिरासत में लिया गया। बांग्लादेशी डेली ढाका ट्रिब्यून ने पुलिस अधिकारी के हवाले से कहा, 'हमारी जानकारी के अनुसार, जुलाई में हुए आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं को लेकर उनके खिलाफ राजधानी के बनानी और उत्तरा पुलिस स्टेशनों में केस दर्ज कराया गया। उनके खिलाफ रंगपुर में भी एक केस है। ' सूत्रों के हवाले से, ढाका ट्रिब्यून ने बताया कि जुलाई 2024 के विरोध प्रदर्शनों के दौरान रंगपुर में गोल्ड वर्कर मुस्लिम उद्दीन के कत्ल का केस चौधरी पर लगाया गया है। 27 अगस्त, 2024 को दर्ज कराए गए मर्डर केस में चौधरी और पूर्व वाणिज्य मंत्री टीपू मुंशी समेत 16 लोगों के नाम शामिल हैं। इसी केस में मुंशी कस्टडी में हैं। रंगपुर-6 चुनाव क्षेत्र से 30 अप्रैल, 2013 को सांसद चुनी गई थीं। इसके बाद वो देश की पहली महिला स्पीकर बनीं। उन्होंने लगातार चार कार्यकाल पूरे किए, जिसमें आखिरी 30 जनवरी, 2024 को 12वीं नेशनल पार्लियामेंट के स्पीकर के तौर पर था। रिपोर्ट्स बताती हैं कि चौधरी ने शेख हसीना की अगुआई वाली अवामी लीग सरकार के गिरने के 27 दिन बाद 2 सितंबर, 2024 को पद छोड़ दिया था। यह नई घटना अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई के उस पैटर्न को दिखाती है जो पिछली मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के अठारह महीने के कार्यकाल से जारी है।

# इजरायली मीडिया का दावा- ईरान सुप्रीम मोजतबा की हालत गंभीर, कोम में चल रहा इलाज

एजेंसी

**तेल अवीव ।** ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई को लेकर इजरायल ने बड़ा दावा किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इससे पहले दावा किया था कि मोजतबा अमेरिकी और इजरायली सेना की कार्रवाई में घायल हो गए थे, उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है। इस बीच अब द टाइम्स ऑफ इजरायल ने बताया कि एक इंटेलिजेंस असेसमेंट के मुताबिक, ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई बेहोश हैं और कोम शहर में एक गंभीर मेडिकल बीमारी का इलाज चल रहा है। इजरायली मीडिया ने बताया कि अमेरिका-इजरायली इंटेलिजेंस पर आधारित और अपने खाड़ी सहयोगियों के साथ शेयर किए गए एक डिप्लोमैटिक मेमो में लिखा है, 'मोजतबा खामेनेई का कोम में गंभीर हालत में इलाज चल रहा है; वह सरकार के किसी भी फैसले में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। ' बता दें, 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले के साथ संघर्ष की शुरुआत की, जिसमें ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई समेत कई शीर्ष नेता की मौत हो गई। इसके बाद मोजतबा खामेनेई को ईरान का सुप्रीम लीडर बनाया गया। युद्ध की शुरुआत के बाद से यह पहली बार है जब किसी रिपोर्ट में खामनेई की लोकेशन पब्लिक में बताई गई है। माना जा रहा था कि 28 फरवरी के शुरुआती हमलों में वह घायल हो गए थे।इजरायली मीडिया ने बताया कि इस डॉक्यूमेंट में उनके पिता और पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई को शुरुआती हमलों में मारे जाने के बाद कोम में दफनाने की तैयारियों का भी खुलासा हुआ है। बता दें, इजरायली मीडिया के रिपोर्ट से पहले आईआरजीसी के एक वरिष्ठ जनरल की मौत पर मोजतबा खामेनेई का बयान सामने आया था। ईरान के सुप्रीम लीडर ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि ईरानी नेतृत्व के खिलाफ हत्याएं और अपराध देश की प्रगति को नहीं रोकेंगे। वरिष्ठ जनरल सोमवार को तेहरान में इजरायल द्वारा किए गए हवाई हमले में मारे गए थे।

मोजतबा खामेनेई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ईरान के खुफिया संगठन (आईआरजीसी) के प्रमुख माजिद खादेमी के काम की सराहना करते हुए कहा, 'शहीद मेजर जनरल सैय्यद मजीद खादेमी, जो देश की सुरक्षा, खुफिया और रक्षा के क्षेत्र में दशकों से खुदा की राह पर बिना थके संघर्ष कर रहे थे, उन्हें शहादत का आशीर्वाद मिला है। ईमान वालों में ऐसे लोग भी हैं जो अल्लाह से किए वादे के पक्के रहे हैं। उनमें से कुछ ने अपनी जान देकर अपना वादा पूरा कर दिया है और कुछ इंतजार कर रहे हैं और वे जरा भी नहीं बदले हैं।' ' उन्होंने आगे कहा कि मैं इस कमांडर की शहादत पर संवेदना व्यक्त करता हूं, साथ ही उनके सम्मानित परिवार और आईआरजीसी इंटेलिजेंस ऑर्गनाइजेशन में उनके साथियों को नमन करता हूं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उन्हें परलोक में ऊंचा स्थान प्राप्त हो।

## ईरानी मंत्री की अपील- 'पावर प्लांट्स के पास मानव श्रृंखला बनाएं लोग'

एजेंसी

**तेहरान ।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ईरानी परमाणु संयंत्रों और पुलों को उड़ाने की मियाद (स्थानीय समयानुसार) खत्म हो रही है। वहीं ईरान ने भी होर्मुज को लेकर समझौता करने से फिलहाल इनकार कर दिया है। इस बीच ईरान के एक मंत्री की अपील सुर्खियों में है। उन्होंने ह्यूमन चेन बनाने की गुजारिश लोगों से की है। ईरानी मंत्री ने 'सभी युवाओं, एथलीटों, कलाकारों, छात्रों, यूनिवर्सिटी के छात्रों और उनके प्रोफेसरों' से पावर प्लांट के चारों ओर मानव श्रृंखला बनाने की अपील की है। देश के सरकारी टेलीविजन पर सुप्रीम काउंसिल ऑफ यूथ एंड एडोलसेंट्स के सचिव (युवा और खेल मामलों के उपमंत्री) अलीरेजा रहीमी ने एक न्यूजकास्ट में वीडियो कॉल में ह्यूमन चेन की अपील करते हुए कहा, 'पावर प्लांट जो हमारी राष्ट्रीय संपत्ति और पूंजी हैं, चाहे किसी भी पसंद या राजनीतिक नजरिए से देखें, वे ईरान और ईरानी युवाओं के भविष्य के हैं। ' रहीमी ने सोशल मीडिया पोस्ट में भी लिखा, 'हम सब हाथों में हाथ डालकर यह कहेंगे कि सार्वजनिक ढांचे पर हमला करना युद्ध अपराध है। ' ईरान ने अपने नागरिकों, खासकर युवाओं, कलाकारों और खिलाड़ियों से अपील की है कि वे दोपहर 2 बजे (स्थानीय समयानुसार) 7 अप्रैल को देशभर के पावर प्लांट्स के पास मानव श्रृंखला बनाएं।

वैसे ये पहली बार नहीं है कि ईरानियों को मानव श्रृंखला बनाने के लिए कहा गया है। ईरान ने पहले भी पश्चिम के साथ बढ़ते तनाव के समय अपनी न्यूक्लियर साइट्स के चारों ओर ह्यूमन चेन बनाई हैं।

2005-2006 में ऐसा हुआ था। सितंबर 2005 में इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईईएई) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने नियमों का हवाला दे सख्त कदम की बात कही थी। आरोप था कि ईरान ने यूरेनियम एनरिचमेंट का काम फिर से शुरू कर दिया। इस दौरान, छात्र और समर्थक अक्सर 'ह्यूमन शील्ड' बनाने के लिए इस्फाहान यूरेनियम कन्वर्जन प्लांट जैसी जगहों पर इकट्ठा होते थे। अगस्त 2006 में, ईरान ने एक 'हैवी वॉटर प्लांट' का उद्घाटन किया और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के बढ़ते दबाव का सामना किया, जिसने एनरिचमेंट रोकने की मांग की। तब भी सरकार के समर्थन में ह्यूमन चेन समेत पब्लिक प्रदर्शन किए गए थे।

## नेपाल पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो भारतीयों को एक किलो ब्राउन सुगर के साथ पकड़ा

एजेंसी

**काठमांडू।** नेपाल पुलिस ने काठमांडू के गौशाला-पिंगलास्थान इलाके से मुठभेड़ के बाद दो भारतीय नागरिकों को एक किलोग्राम ब्राउन सुगर के साथ गिरफ्तार किया। नेपाल के नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीपी) के एसपी दुर्गाराज रेग्मी ने बताया कि सोमवार रात को एनसीबी और काठमांडू पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान दोनों आरोपितों को गौशाला-पिंगलास्थान इलाके से गिरफ्तार किया गया। रेग्मी ने बताया कि इस कार्रवाई में वह खुद भी शामिल थे। रेग्मी ने बताया, 'गिरफ्तार किए गए दो लोगों में से एक 32 वर्षीय अनिल कुमार पासवान के पैर में गोली लगी है।

वह भारत के बिहार का रहने वाला है। फिलहाल उसका इलाज काठमांडू के राष्ट्रीय ट्रॉमा सेंटर में चल रहा है। दूसरा व्यक्ति सुरक्षित है। ' पुलिस ने आरोपितों के पास से एक किलो ब्राउन शुगर बरामद किया है और जिस वाहन में वे सवार थे, उसे भी अपने नियंत्रण में ले लिया है।

## 1973, 1979 और 2002 के मुकाबले ज्यादा गंभीर मौजूदा तेल संकट: आईईए प्रमुख

एजेंसी

**पेरिस ।** इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) के प्रमुख, फातिह बिरोल ने वर्तमान तेल संकट पर चिंता जाहिर की है। उनके मुताबिक हालात पूर्व के तेल संकटों से कहीं ज्यादा बदतर हैं। फ्रांसीसी अखबार ले फिगारो को उन्होंने बताया कि होर्मुज स्ट्रेट की नाकाबंदी से शुरू हुआ मौजूदा तेल और गैस संकट '1973, 1979 और 2002 के कुल संकटों से भी ज्यादा गंभीर है।' इस इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 'दुनिया ने एनर्जी सप्लाई में इतनी बड़ी रुकावट कभी नहीं देखी। '

उनका कहना है कि यूरोपियन देशों के साथ-साथ जापान, ऑस्ट्रेलिया और दूसरे देशों को भी नुकसान होगा, लेकिन सबसे ज्यादा खतरा विकासशील देशों को है, जिन्हें तेल और गैस की ज्यादा कीमतों, खाने की चीजों की बढ़ती कीमतों और महंगाई का सामना करना पड़ सकता है।

आईईए के सदस्य देश पिछले महीने अपने स्ट्रेटेजिक रिजर्व का कुछ हिस्सा रिलीज करने पर



सहमत हुए थे। बिरोल ने कहा कि इसमें से कुछ पहले ही रिलीज किया जा चुका है, और यह प्रक्रिया जारी है। इजरायल और यूएस हमलों के जवाब में, ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में ट्रैफिक लगभग पूरी तरह से रोक दिया है, जिस रास्ते दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस नियमित तौर पर गुजरता है। फिलहाल पश्चिम एशिया संकट की वजह से ऊर्जा की कीमतों में उछाल आया है।

बता दें कि 1973 तेल संकट दुनिया के लिए सबसे दर्दनाक और परेशानी खड़ा करने वाला दौर था। तब संकट का सबसे बड़ा असर विकसित देशों पर पड़ा था। योम किप्पुर युद्ध के दौरान अरब देशों ने तेल को एक रणनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया था, जिससे अमेरिका और यूरोप जैसे देशों की अर्थव्यवस्थाएं हिल गई थीं। तेल की कीमतें कई गुना बढ़ीं और महंगाई व बेरोजगारी ने वहां गंभीर संकट पैदा कर दिया था।

वहीं, 2026 का संकट तस्वीर बदल चुका है। यह किसी नीतिगत फैसले का नतीजा नहीं, बल्कि सीधे सैन्य संघर्ष का प्रभाव है। फारस की खाड़ी से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने के कारण वैश्विक बाजार में अस्थिरता बढ़ रही है। इस बार सबसे बड़ा अंतर यह है कि संकट का बोझ विकसित देशों से ज्यादा विकासशील देशों पर पड़ रहा है। जहां विकसित देशों के पास पर्याप्त रणनीतिक भंडार, मजबूत अर्थव्यवस्था और वैकल्पिक ऊर्जा विकल्प मौजूद हैं, वहीं कई एशियाई और अफ्रीकी देश तेल आयात पर निर्भर हैं। इनके लिए बढ़ती ऊर्जा कीमतें सीधे महंगाई, खाद्य संकट और सामाजिक अस्थिरता का कारण बन सकती हैं।

page 1 and 8 Apr 9_page 1 Mar 25 final ds.qxd 4/9/2026 12:36 AM Page 2



# देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की सप्लाई स्थिर : सरकार

**नई दिल्ली, 08 अप्रैल।** पश्चिम एशिया में सीजफायर की घोषणा का स्वागत करते हुए केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि इससे क्षेत्र में स्थायी शांति आएगी। सरकार ने कहा कि देश में पेट्रोल और डीजल की सप्लाई स्थिर है। तेल रिफाइनरियां पर्याप्त कच्चे तेल के साथ पूरी क्षमता से चल रही हैं, जबकि 23 मार्च से अब तक 5 किलो के लगभग 8,90,000 सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। कोयला आधारित बिजली देश की ऊर्जा जरूरतों का लगभग 70 फीसदी हिस्सा पूरा करना जारी रखे हुए है।

पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने अंतर-मंत्रालयी प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। सुजाता शर्मा ने कहा कि पिछले पांच दिनों में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने करीब 1,600 जागरूकता कैंप लगाए हैं, जिनमें लगभग 14,000 सिलेंडर बांटे गए हैं। उन्होंने कहा कि कल लगभग 1.1 लाख गैस सिलेंडर की सप्लाई की गई, जिससे 23 मार्च से अब तक पांच किलो वाले गैस सिलेंडर की कुल बिक्री लगभग 8.9 लाख हो गई है।

उन्होंने बताया कि घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिसमें खाद बनाने वाले प्लांटों को लगभग 95 फीसदी गैस की सप्लाई मिल रही है। पेट्रोल और डीजल की सप्लाई स्थिर है और कहीं भी कमी नहीं है क्योंकि रिफाइनरियां पर्याप्त कच्चे तेल के साथ पूरी क्षमता से चल रही हैं। शर्मा ने कहा कि सरकार ने सप्लाई बढ़ाने के लिए $C_3$ और $C_4$ स्ट्रीम को एलपीजी पूल में भेजने का निर्देश दिया है, जबकि पेट्रोकेमिकल्स के लिए सीमित इस्तेमाल की अनुमति दी है।

सुजाता शर्मा ने बताया कि नेचुरल गैस के संबंध में घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी गई है और उनकी आपूर्ति को सुरक्षित रखा गया है। इसके साथ ही उद्योगों को भी नेचुरल गैस की सप्लाई शुरू की गई है। ड्राफ्ट स्टेट सीबीजी पॉलिसी जारी की गई है, जो राज्य इस पॉलिसी को अपनाएंगे, उन्हें अतिरिक्त कमर्शियल एलपीजी आवंटन में प्राथमिकता दी जाएगी। भारत सरकार ने सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि वे ऐसे सुधार लागू करें, जिससे प्राथमिकता वाले कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति आसान हो सके। इसके तहत लगभग 18 राज्यों ने कदम उठाए हैं और उन्हें अतिरिक्त एलपीजी का आवंटन दिया गया है।

पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव ने कहा कि मार्च से अब तक लगभग 3,87,000 पीएनजी कनेक्शन दिए गए हैं और लगभग 4,21,000 नए उपभोक्ता पंजीकृत हुए हैं। जिन उपभोक्ताओं के पास एलपीजी और पीएनजी दोनों कनेक्शन हैं, उनसे एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि अब तक 17,000 से अधिक उपभोक्ता अपना एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर चुके हैं। इसके साथ ही सभी नागरिकों से अपील है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और अपनी जरूरत के अनुसार ही ईंधन खरीदें।

शर्मा ने कहा कि गड़बड़ियों पर रोक लगाने के लिए निगरानी बढ़ा दी गई है। हाल ही में लगभग 4,000 छापे मारे गए और पिछले कुछ दिनों में लगभग 56,000 सिलेंडर ज़ब्त किए गए। तेल मार्केटिंग कंपनियों ने 1,770 कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं, 51 डिस्ट्रीब्यूटरों को निलंबित किया है और 175 के खिलाफ कार्रवाई की है। पेट्रोल, डीज़ल और एलपीजी की सप्लाई लगातार बनी हुई है। नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे घबराएं नहीं और केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें।

सीजफायर का स्वागत: विदेश मंत्रालय

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ईरान और अमेरिका के बीच सीजफायर का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि इससे पश्चिम एशिया में स्थायी शांति आएगी। उन्होंने कहा कि संघर्ष को जल्द से जल्द खत्म करने के लिए तनाव कम करना, बातचीत और कूटनीति ज़रूरी हैं। इस संघर्ष ने पहले ही लोगों को बहुत ज्यादा तकलीफ दी है और दुनियाभर में ऊर्जा की सप्लाई और व्यापार के नेटवर्क को बाधित किया है। जायसवाल ने कहा कि उम्मीद है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही की पूरी आज़ादी और दुनिया भर में व्यापार का प्रवाह बना रहेगा।उन्होंने कहा कि भारत उन सभी कदमों का स्वागत करता है जिनसे शांति और स्थिरता आती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पश्चिम एशिया में यह घटनाक्रम यूक्रेन में भी शांति की कोशिशों को बढ़ावा देगा।

भारत के खदानों और बिजली संयंत्रों में कोयले का पर्याप्त भंडार

वहीं, कोयला मंत्रालय में संयुक्त सचिव संजीव कुमार कासी ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि खदानों, पावर प्लांटों, बंदरगाहों और ट्रांजिट में कोयले का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है, जिसे बहुत कम समय की सूचना पर उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जा सकता है।

# ड्रिप इर्रिगेशन

ड्रप्स सिंचाई या ड्रिप इर्रिगेशन सिंचाई की एक विशेष विधि है जिसमें पानी और खाद की बचत होती है। इस विधि में पानी को पौधों की जड़ों पर बूँद-बूंद करके टपकाया जाता है। इस कार्य के लिए वाल्व, पाइप, नलियों तथा एमिटर का नेटवर्क लगाना पड़ता है। इसे टपक सिंचाई या बूँद-बूँद सिंचाई भी कहते हैं। टपक या बूंद-बूंद सिंचाई एक ऐसी सिंचाई विधि है जिसमें पानी थोड़ी-थोड़ी मात्र में, कम अन्तराल पर, प्लास्टिक की नालियों द्वारा सीधा पौधों की जड़ों तक पहुंचाया जाता है। परम्परागत सतही सिंचाई द्वारा जल का उचित उपयोग नहीं हो पाता, क्योंकि अधिकतर पानी, जोकि पौधों को मिलना चाहिए, जमीन में रिस कर या वाष्पीकरण द्वारा व्यर्थ चला जाता है। अत: उपलब्ध जल का सही और पूर्ण उपयोग करने के लिए एक ऐसी सिंचाई पद्धति अनिवार्य है जिसके द्वारा जल का रिसाव कम से कम हो और अधिक से अधिक पानी पौधे को उपलब्ध हो पाये। कम दबाव और नियंत्रण के साथ सीधे फसलों की जड़ में उनकी आवश्यकतानुसार पानी देना ही टपक सिंचाई है। टपक सिंचाई के माध्यम से पौधों को उर्वरक आपूर्ति करने की प्रक्रिया फर्टिगेशन कहलाती है, जो कि पोषक तत्वों की लीचिंग व वाष्पीकरण नुकसान पर अंकुश लगाकर सही समय पर उपयुक्त फसल पोषण प्रदान करती है।

## टपक सिंचाई पद्धति की मुख्य विशेषताएँ

1 - जड़ क्षेत्र में पानी सदैव पर्याप्त मात्र में रहता है।

2 - जमीन में वायु व जल की मात्र उचित क्षमता स्थिति पर बनी रहने से फसल की वृद्धि तेज़ी से और एक समान रूप से होती है।

3 - फसल को हर दिन या एक दिन छोड़कर पानी दिया जाता है।

4 - पानी अत्यंत धीमी गति से दिया जाता है।

## टपक सिंचाई के लाभ

1- उत्पादकता और गुणवत्ता - टपक सिंचाई में पेड़ पौधों को प्रतिदिन जरूरी मात्रा में पानी मिलता है। इससे उन पर तनाव नहीं पड़ता। फलस्वरूप फसलों की बढ़ोतरी व उत्पादन दोनों में वृद्धि होती है। टपक सिंचाई से फल, सब्जी और अन्य फसलों के उत्पादन में 20त्न से 50त्न तक बढ़ोतरी संभव है।

2- पानी - टपक सिंचाई द्वारा 30 से 60 प्रतिशत तक सिंचाई पानी की बचत होती है।

3- जमीन - ऊबड़-खाबड़, क्षारयुक्त, बंजर जमीन शुष्क खेती वाली, पानी के कम रिसाव वाली जमीन और अल्प वर्षा की क्षारयुक्त जमीन और समुद्र तटीय जमीन भी खेती हेतु उपयोग में लाई जा सकती है।

4- रासायनिक खाद - फर्टिगेशन से पोषकतत्व बराबर मात्र में सीधे पौधों की जडों में पहुंचाऐ जाते हैं, जिसकी वजह से पौधे पोषक तत्वोंका उपयुक्त इस्तेमाल कर पाते हैं तथा प्रयोग किये गए उर्वरकों में होने वाले विभिन्न नुकसान कम होते हैं, जिससे पैदावार में वृद्धि होती है। इस पद्धति द्वारा 30 से 45 प्रतिशत तक रासायनिक खाद की बचत की जा सकती है।

5- खरपतवार = टपक सिंचाई में पानी सीधे फसल की जड़ों में दिया जाता है। आस-पास की जमीन सूखी रहने से अनावश्यक खरपतवार विकसित नहीं होते। इससे जमीन के सभी पौष्टिक तत्व केवल फसल को मिलते हैं।

6- फसल में कीट व रोग का प्रभाव ्टपक/इनलाइन पद्धति से पेड़-पौधों का स्वस्थ विकास होता है। जिनमें कीट तथा रोगों से लड़ने कीयादा क्षमता होती है। कीटनाशकों पर होने वाले खर्चे में भी कमी होती है।

7- टपक सिंचाई में होने वाला खर्च और कार्यक्षमता = टपक/इनलाइन सिंचाई पद्धति उपयोग के कारन वश-जड़ के क्षेत्र को छोड़कर बाकी भाग सूखा रहने से निराई-गुड़ाई, खुदाई, कटाई आदि काम बेहतर ढंग से किये जा सकते हैं। इससे मजदूरी, समय और पैसे तीनों की बचत होती है।

### टपक सिंचाई प्रणाली के घटक

**टमाटर की टपक सिंचाई**

टपक संयन्त्र के प्रमुख भाग निम्नानुसार हैं-

1- हेडर असेंबली

2- फिल्टर्स - हायड्रोसायक्लोन, सैंड और स्क्रीन फिल्टर्स

3- रसायन और खाद देने के साधन - व्हेंचुरी, फर्टिलाइज़र टैंक

4- मेनलाइन

5- सबमेन लाइन

6- वॉल्व

7- लेटरल लाइन (पॉलीट्यूब)

8-एमीटर्स - ऑनलाइन/इनलाइन/मिनी स्प्रिंकलर/जेट्स

हेडर असेंबली

हेडर असेंबली मतलब बाईपास, नॉन रिटर्न वॉल्व, एअर रिलीज़ वॉल्व आदि। टपक सिंचाई का दबाव और गति नियंत्रित करने के लिये बाईपास असेंब्ली का उपयोग किया जाता है।

### फिल्टर

पानी में मौजूद मिट्टी के कणों, कचरा, शैवाल (काई) आदि से ड्रिपर्स के छिद्र बंद होने की संभावना रहती है। इस प्रक्रिया में स्क्रीन फिल्टर, सैंड फिल्टर, सैंडसेपरेटर, सेटलिंग टैंक आदि का समावेश होता है। पानी में रेत अथवा मिट्टी होने पर हाइड्रोसाइक्लॉन फिल्टर का उपयोग किया जाना चाहिए। पानी में शैवाल (काई), पौधों के पत्ते, लकड़ी आदि सूक्ष्म जैविक कचरा हो तो सैंड फिल्टर देना जरूरी है। पानी के पूर्णत: साफ नजर आने पर भी सिंचाई संचन्त्र में कम से कम स्क्रीन फिल्टर का उपयोग तो करना ही चाहिए।

### सैंड फिल्टर

सैंड फिल्टर का ढक्कन खोलकर बैकवॉश चालू करने के बाद फिल्टर के अंदर हाथ से रेत को अछे से तोड़ना चाहिए। फिल्टर से आनेवाला पानी ढक्कन से बाहर निकलने दें। हाथ से रेत साफ करते समय अंदर के काले रंग के फिल्टर एलिमेंट्स को धक्का नहीं लगना चाहिए। इससे रेत के स्क्रीन फिल्टर में जाने की आशंका रहती है। इस दौरान बाईपास वॉल्व द्वारा पानी का प्रवाह नहींनिकले। सैंड फिल्टर में आधा भाग रेत होना चाहिए। रेत की मात्र कम होने पर पुन:नयी रेत फिल्टर पर अंकित लेबल (निशान) तक भरना चाहिए। सैंड फिल्टर की रेत नदी-नाले की रेत न होकर विशिष्ट पद्धति से बनी निश्चित आकार की नुकीली रेत हैं।इस रेत से पानी रिसते समय कचरा रेत में अटक जाता है। साधारण रेत से यह प्रक्रिया नहीं होती। इसलिये सैंड फिल्टर में कभी भी नदी-नाले की रेत का इस्तेमाल न करें।

सैंड फिल्टर द्वारा नहीं छनने वाला बारीक कचरा स्क्रीन फिल्टर की जाली में अटकता है। धीरे-धीरे इस कचरे के जमा होने से जाली पर एक परत बन जाती है। इससे जाली के कार्य में रूकावट पैदा होती है।जाली साफ करने से पहले दोनों तरफ के रबर सील निकाल कर, साफ करने के पश्चात् फिर से जाली के ऊपर ठीक से फिट करना चाहिए। अन्यथा पानी के दबाव से बिना छना पानी आगे निकल सकता है।

# इसबगोल- मनुष्य ही नहीं बल्कि जानवरों के लिए भी फायदेमंद

प्लांटागो ओवाटा नामक पौधे के बीज की भूसी से इसबगोल तैयार होती है एवं यह एक प्रकार का फाइबर है। विश्व स्तर पर भारत इसबगोल का सबसे बड़ा उत्पादक है। भारत में प्रमुख रूप से गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश में इसबगोल की खेती की जाती है। विश्व में इसबगोल के कुल उत्पादन का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा गुजरात में ही पैदा किया जाता है। इसबगोल का पौधा दिखने में गेहूं की तरह ही होता है और इसमें छोटी-छोटी पत्तियां एवं फूल होते हैं। सदियों से ईरानी दवाओं में इसबगोल का इस्तेमाल किया जा रहा है। बहुत कम लोग ये बात जानते हैं कि इसबगोल मनुष्य ही नहीं बल्कि जानवरों के लिए भी फायदेमंद होती है। फाइबर से प्रचुर होने के कारण इसबगोल कब्ज से राहत दिलाने में मदद कर सकती है। इसे दिल की सेहत के लिए लाभकारी माना जाता है और डायबिटीज को नियंत्रित करने में भी ये मदद कर सकती है आप कई तरह से इसबगोल का सेवन कर सकते हैं। अगर आपको इसबगोल का स्वाद पसंद नहीं है तो आप इसे कुकीज, बिस्कुट या अन्य किसी कंफेक्शनरी में डालकर ले सकते हैं। इसमें चीनी या फ्लेवर नहीं होता है इसलिए इसे पानी या जूस के साथ लेने की सलाह दी जाती है।

### * ईसबगोल के फायदे हैं कब्ज के उपचार में उपयोगी -*

कब्ज के उपचार के लिए चिकित्सक पहले ईसबगोल हस्क का उपयोग करने की सलाह देते हैं। ईसबगोल शरीर के किसी भी अन्य पोषक तत्वों को नहीं सोखता है क्योंकि यह किसी भी तरह के पाचन एंजाइम से अप्रभावित है। ईसबगोल में फाइबर बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है और यह आंतों से पानी को अवशोषित करता है और अधिक बल्क उत्पादन करता है, जो आंतों के संकुचन के कार्यों को उत्तेजित करता है। जिसके कारण, दस्त का मार्ग आसान हो जाता है और इस प्रकार यह कब्ज को हटा देता है। रात को सोने से पहले एक चम्मच ईसबगोल के साथ एक चम्मच मिश्री का सेवन करें।

ईसबगोल पानी की सामग्री को पाचन तंत्र से अवशोषित करता है और बल्क वॉटर का उत्पादन करता है, जिससे मल कड़ा हो जाता है। दूसरे, यह आंतों को भी साफ करता है, जो कि संक्रमण के कारण सूक्ष्म जीवों को हटाने में मदद करता है। केवल ईसबगोल हल्के से मध्यम दस्त के लिए प्रभावी उपचार है, लेकिन यह गंभीर दस्त और पेचिश में सहायक चिकित्सा के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। दस्त के दौरान आप इसे दही में मिलाएं और इसका सेवन करें। दही प्रोबियोटिक से भरपूर होती है जो दस्त के कारण होने वाले संक्रमण को ठीक करती है। या फिर आप 1 चम्मच ईसबगोल और 1 चम्मच मिश्री पाउडर को 50 मिलीलीटर पानी में मिलाएँ। यह एक दिन में 3 बार लिया लिया जाना चाहिए।

पेट में जलन होना एसिडिटी का संकेत है जो ज्यादातर लोगों को अनुभव होता है। यदि आप एसिडिटी से पीड़ित हैं तो ईसबगोल बेहतरीन प्राकृतिक उपचार में से एक है जो एसिडिटी की जलन को खत्म करने में मदद करता है। आयुर्वेद के अनुसार, ईसबगोल एसिडिटी और सीने की जलन के लिए एक अच्छा उपाय है। ईसबगोल जब भोजन पाइप और पेट के माध्यम से पारित होती है तो यह झिल्लीदार दीवारों के लिए लुब्रिकेट का कम करती है। यह एसिड को अवशोषित करके पेट से आंतों से अधिक एसिड को बाहर निकालती है। इस प्रकार यह एसिडिटी और जलन के लक्षणों को कम करने में मदद करती है।

ईसबगोल फाइबर से बहुत समृद्ध है। अधिक फाइबर युक्त आहार मधुमेह वाले लोगों में रक्त शर्करा के स्तर को कम कर सकती है। उच्च फाइबर आहार में हमेशा कम ग्लाइसेमिक सूचकांक होता है, जो प्लाज्मा ग्लूकोज के स्तर में सुधार करता है। इसाबोल में एक प्राकृतिक पदार्थ भी मौजूद होता है जिसे जिलेटिन कहते हैं। जिलेटिन शरीर में ग्लूकोज के टूटने और अवशोषण की प्रक्रिया को धीमा करने में मदद करता है जिससे मधुमेह नियंत्रित रहता है। ईसबगोल ऐसे कार्बोहाइड्रेट की एक अच्छी गुणवत्ता प्रदान करता है जिसे मधुमेह से पीड़ित लोग अपने नियमित आहार के आटे में मिलाकर उपयोग कर सकते हैं।

ईसबगोल को चीनी के साथ लेना सूखी खाँसी के लिए एक अच्छा प्राकृतिक उपचार है। ईसबगोल की भूसी की पुडिंग गले में खराश और शुष्क खाँसी को कम करने के लिए अधिक फायदेमंद है। यह इरबोल की गले में परेशानी और गले की जलन से तत्काल राहत प्रदान करता है।

त्वचा के सूखापन के लिए, ईसबगोल पाउडर को मसाज के लिए प्रयोग किया जाता है। यह मसाज सूखापन कम करता है जिससे त्वचा की चमक बढ़ जाती है। यदि ईसबगोल के उपयोग के बाद आपकी त्वचा पर किसी तरह की एलर्जी हो रही है तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं वयस्क पुरुष और महिला पर 3 महीने के अध्ययन ने निष्कर्ष निकाला कि ईसबगोल भूसी कोलेस्ट्रॉल, एलडीएल कोलेस्ट्रॉल और प्लाज्मा के एथेरोजेनिक इंडेक्स को काफी कम कर देती है। हालांकि, ट्राइग्लिसराइड और एचडीएल कोलेस्ट्रॉल का स्तर अनियंत्रित था।

ईसबगोल (रात में 5 ग्राम) उच्च कोलेस्ट्रॉल को काफी कम करता है, इसलिए इसे 3 से 6 महीने के लिए नियमित आधार पर उच्च कोलेस्ट्रॉल में आशाजनक परिणाम प्राप्त करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। यह उन रोगियों के लिए सबसे उपयुक्त उपाय होगा जो कब्ज से पीड़ित हैं।

इसाबोल में घुलनशील और अघुलनशील दोनों ही फाइबर मौजूद होते हैं। आहार में फाइबर का सेवन रक्तचाप को कम करने में सहायता कर सकता है। ईसबगोल भूसी उच्च कोलेस्ट्रॉल स्तर को कम करके रक्तचाप को कम करने में मदद करती है। क्योंकि उच्च कोलेस्ट्रॉल हाई ब्लड प्रेशर का कारण हो सकता है। साथ ही कैल्शियम के साथ उच्च कोलेस्ट्रॉल रक्त वाहिकाओं में पट्टिका के निर्माण का कारण बनता है, जो रक्त वाहिकाओं को सख्त और संकुचित करता है। यह हृदय पर अतिरिक्त तनाव डालता है ताकि धमनियों के माध्यम से रक्त को पंप करने में कठिनाई होने लगती है, जिससे रक्तचाप में वृद्धि हो सकती है

रोज़ रात को सोने से पहले ईसबगोल को गर्म पानी में मिलाएं और इस मिश्रण को पीएं। यह आपके मल को नियमित और नरम करने में मदद करेगा।

ईसबगोल की तासीर ठंडी होती है। यह शरीर में अधिक गर्मी बढ़ने की वजह से हुए रोगों को ठीक करने में मदद करता है जैसे कब्ज़ और आंत के रोग। ईसबगोल मल को आसानी से बहार निकालने में भी मदद करता है।

बड़ें लोग ईसबगोल एक गिलास पानी, दूध या दही के साथ 1-2 चम्मच पर्तिदिन 2 से 3 बार एक दिन में लें सकते हैं। वहीँ बच्चे पर्तिदिन आधा चम्मच 2-3 बार एक गिलास पानी, दूध या दही के साथ लें सकते हैं।

एक गिलास गर्म पानी (लगभग 240 मिलीग्राम) लें। पानी में ईसबगोल मिला लें और तुरंत पी लें।

15 ग्राम से कम ईसबगोल को कम से कम 240 मिलीलीटर पानी के साथ लिया जाना चाहिए। यदि इसकी खुराक 30 ग्राम तक है, तो इसके अवांछित प्रभाव को कम करने के लिए 500 मिलीलीटर पानी लेना चाहिए। ईसबगोल में फाइबर अधिक होता है और पानी को अवशोषित करता है इसलिए तरल का पर्याप्त सेवन करना महत्वपूर्ण है।

ईसबगोल की मात्रा 6 ग्राम से लेकर 9 ग्राम तक दिन में 2 बार ज्यादा से ज्यादा 20 ग्राम तक लेना चाहिए।

ईसबगोल गर्मी, प्यास, गर्मी के बुखार, कण्ठ (गला), हृदय (दिल) और जीभ की खरखराहट तथा खून के रोगों को दूर करता है।

यह आंतों के घाव, आंव और मरोड़ में लाभदायक होता है।

ईसबगोल को भूनकर खाने से यह मल को रोकता है।

ईसबगोल के लुबाब से कुल्ले करने से मुंह के दाने को दूर करते हैं।

ईसबगोल को पीसकर लेप करने से यह गर्मी से हुई सूजन को दूर करता है। परन्तु कूट देने से यह विषाक्त हो जाता है।

यह बहुत ही पुष्टकारक होता है। यह कुछ रक्त-कारक और पित्त-नाशक होता है।

ईसबगोल के निरंतर उपयोग से अवांछित प्रभाव पड़ सकते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, ईसबगोल भारी गुणवत्ता के कारण शरीर में भारीपन पैदा करता है। इसलिए यह कफ को बढ़ाता है, जिसके परिणामस्वरूप निम्न दुष्प्रभाव होते हैं।

भूख में कमी, पेट में भारीपन महसूस करना, पेट भरा हुआ लगना आदि इसके सामान्य दुष्प्रभाव होते हैं।इसके अलावा मामूली सूजन, मतली, छाती में जकड़न,खुजली आदि जैसे दुष्प्रभाव किसी किसी व्यक्ति में ही नज़र आते हैं। यदि ईसबगोल कम पानी या अन्य तरल के साथ लिया जाता है तो यह छाती में दर्द, सांस लेने में कठिनाई, उल्टी, कुछ भी निगलने में कठिनाई होना इसके तत्काल दुष्प्रभावों का कारण हो सकता है।

वैसे तो ईसबगोल से एलर्जी बहुत दुर्लभ है अगर ऐसा होता है, तो त्वचा पर चकत्ते, खुजली, चेहरे पर सूजन आदि लक्षण दिखाई दे सकते हैं।

ईसबगोल का अत्यधिक उपयोग भूख की कमी का कारण बन सकता इसलिए इसकी नियमित खपत को सीमित करें।

ईसबगोल के कैप्सूल या ईसबगोल के बारीक पाउडर का उपभोग न करें क्योंकि यह ईसबगोल के समान लाभ प्रदान नहीं करता है और आंतों को नुकसान पहुंचा सकता है।

बच्चों को यह बहुत ही कम मात्रा में और 2 साल तक के बच्चों को तो नहीं ही दिया जाना चाहिए।

ईसबगोल को दही के साथ मिलाकर भी खाया जा सकता है।

रात को सोने से पहले इसका सेवन पानी के साथ करें। यह बवासीर ठीक करने में मदद करता है।

दिल की समस्याओं के लिए ईसबगोल का दिन में दो बार खाना खाने के बाद पानी में मिलाकर सेवन करें। गरम पानी में नींबू और ईसबगोल को मिलाएं, इस मिश्रण को रोज़ सुबह खली पेट पिएँ। यह मिश्रण वजन घटाने में मदद कर सकता है। खाना खाने के बाद ईसबगोल को ठंडे पानी में मिलाकर इसका सेवन करें, यह एसिडिटी की समस्या को दूर करने में मदद कर सकता है।

**पेट में जलन होना एसिडिटी का संकेत है जो ज्यादातर लोगों को अनुभव होता है। यदि आप एसिडिटी से पीड़ित हैं तो ईसबगोल बेहतरीन प्राकृतिक उपचार में से एक है जो एसिडिटी की जलन को खत्म करने में मदद करता है। आयुर्वेद के अनुसार, ईसबगोल एसिडिटी और सीने की जलन के लिए एक अच्छा उपाय है। ईसबगोल जब भोजन पाइप और पेट के माध्यम से पारित होती है तो यह झिल्लीदार दीवारों के लिए लुब्रिकेट का कम करती है। यह एसिड को अवशोषित करके पेट से आंतों से अधिक एसिड को बाहर निकालती है। इस प्रकार यह एसिडिटी और जलन के लक्षणों को कम करने में मदद करती है।**